bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org संवत 2080 युगाब्द 5125 कुल पृष्ठ –44 फरवरी द्वितीय – 14

सुराज की विचार यात्रा
वर्तमान
कमल ज्योति

वर्तमान कमल ज्योति

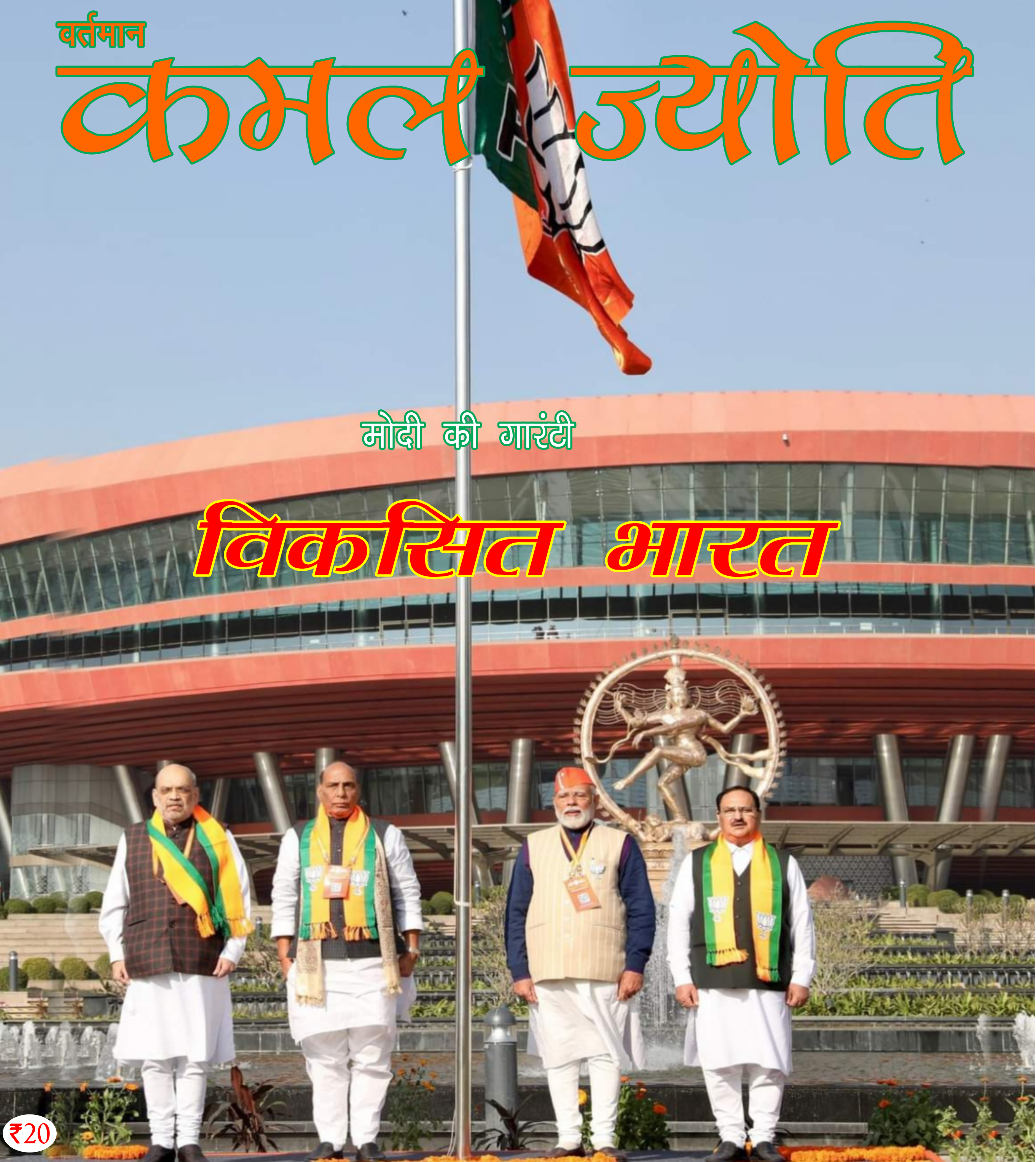

मोदी की गारंटी

विकसित भारत

₹20

कल्किधाम शिलान्यास, संभल

ग्राउन्ड ब्रेकिंग सेरेमनी, लखनऊ, उ0प्र0

सांसद ज्ञान प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह, काशी

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

कोटिशः नमन्

"विकसित भारत" की नयी तस्वीर

लोकसभा चुनाव सन्निकट है। देश भर में भारत के बदलने की आहट है। भारत विश्व की पाँचवी इकोनामी बन चुका है। विकसित भारत बनाने का मोदी जी का शुभ संकल्प है। इसको रोकने के भी अनेकों प्रयास हो रहे हैं। लेकिन मोदी जी का विजन संकल्प व बूथ स्तर पर सशक्त संगठन के सहारे निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। नये भारत की नई संस्कृति पर बोलते हुए मोदी जी ने कहा कि एक साथ रेलवे से जुड़ी 2000 से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। अभी तो इस सरकार के तीसरे टर्म की शुरुआत जून महीने से होने वाली है। अभी से जिस स्केल पर काम होना शुरू हो गया है, जिस स्पीड पर काम होना शुरू हो गया है, वो सबको हैरत में डालने वाला है। कुछ दिन पहले मैंने जम्मू से एक साथ IIT&IIM जैसे दर्जनों बड़े शिक्षा संस्थानों का लोकार्पण किया। कल ही मैंने राजकोट से एक साथ 5 एम्स और अनेक मेडिकल संस्थानों का लोकार्पण किया। और अब आज का ये कार्यक्रम है, आज 27 राज्यों के, करीब 300 से अधिक जिलों में, साढ़े 500 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास हुआ है। आज यूपी के जिस गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का लोकार्पण हुआ है, वो वाकई कमाल का दिखता है। इसके अलावा आज, 1500 से ज्यादा रोड, ओवरब्रिज, अंडरपास इसकी परियोजनाएं भी इसमे शामिल हैं। 40 हज़ार करोड़ रुपए की ये परियोजनाएं, एक साथ जमीन पर उतर रही हैं। कुछ महीने पहले ही हमने अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की थी। तब भी 500 से अधिक स्टेशन्स के आधुनिकीकरण पर काम शुरु हुआ था। अब ये कार्यक्रम इसे और आगे बढ़ा रहा है। ये दिखाता है कि भारत की प्रगति की रेल किस गति से आगे बढ़ रही है। मैं देश के विभिन्न राज्यों को, वहां के सभी मेरे नागरिक भाई बहनों को अनेक–अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी जब विकसित भारत की बात करता है, तो इसके सूत्रधार और सबसे बड़े लाभार्थी, देश के युवा ही हैं। आज की इन परियोजनाओं से देश के लाखों नौजवानों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज रेलवे का जो ये कायाकल्प हो रहा है, ये उन साथियों को भी लाभ देगा, जो स्कूल–कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। ये कायाकल्प उनके भी बहुत काम आएगा, जो 30–35 वर्ष से कम आयु के हैं। विकसित भारत, युवाओं के सपनों का भारत है। इसलिए विकसित भारत कैसा होगा, ये तय करने का सबसे अधिक हक वो भी उन्हीं को है।मुझे संतोष है कि देशभर के हज़ारों विद्यार्थियों ने अलग–अलग स्पर्धाओं के माध्यम से विकसित भारत के रेलवे का सपना सामने रखा। इनमें से अनेक युवा साथियों को पुरस्कार भी मिले हैं। मैं सभी को बहुत शुभकामनाएं देता हूं। मैं देश के हर नौजवान को बताना चाहता हूं कि आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। आपका सपना, आपकी मेहनत और मोदी का संकल्प, यही विकसित भारत की गारंटी है।

सम्पादकीय

आपको एक और बात ध्यान रखनी है। नदी–नहर में पानी चाहे कितना भी क्यों न हो, अगर मेढ़ टूटी हुई हो तो किसान के खेत तक बहुत ही कम पानी पहुंचेगा। इसी तरह बजट चाहे कितना भी बड़ा हो, अगर घोटाले होते रहें, बेईमानी होती रहे, तो जमीन पर उस बजट का असर कभी नहीं दिखता। बीते 10 वर्षों में हमने बड़े–बड़े घोटालों को, सरकारी पैसे की लूट को बचाया है। इसलिए बीते 10 वर्षों में नई रेलवे लाइन बिछाने की गति दोगुनी हुई। आज जम्मू–कश्मीर से लेकर नॉर्थ ईस्ट तक, ऐसे स्थानों तक भी भारतीय रेल पहुंच रही है, जहां लोगों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। ईमानदारी से काम हुआ, तभी ढाई हज़ार किलोमीटर से अधिक के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का काम हुआ है। यानि आपने टैक्स के रूप में, टिकट के रूप में जो पैसा दिया, उसकी पाई–पाई आज रेल यात्रियों के हित में ही लग रही है। हर रेल टिकट पर भारत सरकार करीब–करीब 50 परसेंट डिस्काउंट देती है।

जैसे बैंक में जमा पैसे पर ब्याज़ मिलता है, वैसे ही इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगी हर पाई से कमाई के नए साधन बनते हैं, नए रोजगार बनते हैं। जब नई रेल लाइन बिछती है, तो मजदूर से लेकर इंजीनियर तक अनेक लोगों को रोजगार मिलता है। सीमेंट, स्टील, ट्रांसपोर्ट जैसे अनेक उद्योगों, दुकानों में नई नौकरियों की संभावनाएं बनती हैं। यानि आज जो ये लाखों करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है, ये हज़ारों प्रकार के रोजगार की गारंटी भी है। जब स्टेशन बड़े और आधुनिक होंगे, ज्यादा ट्रेनें रुकेंगी, ज्यादा लोग आएंगे, तो आसपास रेहड़ी–पटरी वालों को भी इससे फायदा होगा। हमारी रेल, छोटे किसानों, छोटे कारीगरों, हमारे विश्वकर्मा साथियों के उत्पादों को बढ़ावा देने वाली है। इसके लिए One Station One Product योजना के तहत स्टेशन पर विशेष दुकानें बनाई गई हैं। हम रेलवे स्टेशनों पर हजारों स्टॉल लगाकर उनके उत्पाद बेचने में भी मदद कर रहे हैं।

वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता "सबका साथ, सबका विकास" का संकल्प ले "विकसित भारत" के संकल्प को पूरा करने में लगा है। देश, विश्व के लिए ये शुभ संकेत है। आइये मिलकर भारत को विश्वगुरू के सीन पर पुर्नप्रतिष्ठापित करने के यज्ञ में अपनी आहुति डालें।

bjpkamaljyoti@gmail.com

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कार्य : मोदी

अमृतकाल में विकसित भारत के संकल्प के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति की तरह है। मैं उनसे कई वर्षों में कई बार मिला। अभी कुछ महीने पहले, मैंने अपने दौरे का कार्यक्रम बदला और सुबह–सुबह उनसे मिलने पहुंच गया... तब नहीं पता था कि मैं कभी नहीं देख पाऊंगा... उन्हें दोबारा नहीं देख पाऊंगा। आज मैं समस्त देशवासियों की तरफ से संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 पूज्य विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धापूर्वक और आदरपूर्वक नमन करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं'। यह कहते हुए प्रधानमंत्री का गला रुंध गया, वह भावुक हो गए और कुछ देर के लिए अपना संबोधन रोक दिया।

आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बीजेपी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा, 'भाजपा का कार्यकर्ता साल के हर दिन, 24 घंटे देश की सेवा के लिए कुछ न कुछ करता ही रहता है। लेकिन अब अगले 100 दिन नई ऊर्जा, नई उमंग, नया उत्साह, नया विश्वास और नए जोश के साथ काम करने के हैं. आज विपक्ष के नेता भी NDA सरकार 400 पर के नारे लगा रहे हैं। NDA को 400 पार कराने के लिए भाजपा को 370 का माइलस्टोन पार करना ही होगा। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे अस्थिरता, परिवारवाद और तुष्टिकरण की जननी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जा भी साजिशें रच रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज 18 फरवरी है और इस कालखंड में जो युवा 18 वर्ष के पड़ाव पर पहुंचें हैं, वे देश की 18वीं लोकसभा का चुनाव करने वाले हैं। अगले 100 दिन हम सबको जुट जाना है। हर नए वोटर, हर लाभार्थी, हर वर्ग, समाज, पंथ, परंपरा सबके पास पहुंचना है। हमे सबका विश्वास हासिल करना है। जब सबका प्रयास होगा, तो देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी BJP को ही मिलेंगी। इन दो दिनों में जो चर्चा और विचार–विमर्श हुआ है। ये देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारे संकल्प को दृढ़ करने वाली बातें हैं'।

'देश न छोटे सपनें देख सकता है और न ही छोटे संकल्प ले सकता है'

नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो गति हासिल की है, बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने का जो हौंसला पाया है, वो अभूतपूर्व है। भारत ने आज हर क्षेत्र में जो ऊंचाई हासिल की है, उसने हर देशवासी को एक बड़े संकल्प के साथ जोड़ दिया है। ये संकल्प है विकसित भारत का। अब देश न छोटे सपनें देख सकता है और न ही छोटे संकल्प ले सकता। सपनें भी विराट होंगे और संकल्प भी विराट होंगे। ये हमारा सपना भी है और संकल्प भी है कि हमें भारत को विकसित बनाना है। उन्होंने कहा, 'हम तो छत्रपति शिवाजी को मानने वाले लोग हैं। जब छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ तो उन्होंने ये नहीं किया कि सत्ता मिल गई तो चलो उसका आनंद लो। उन्होंने अपना मिशन जारी रखा। मैं अपने सुख वैभव के लिए जीने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं बीजेपी सरकार का तीसरा टर्म, सत्ता भोग के लिए नहीं मांग रहा हूं। मैं राष्ट्र का संकल्प लेकर निकला हुआ व्यक्ति हूं'।

'जो काम सदियों से लटके थे, हमने उनके समाधान का साहस दिखाया'

अपनी सरकार के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण की दिशा

में किए गए कार्यों के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज भाजपा युवाशक्ति, नारीशक्ति, गरीब और किसान की शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की शक्ति बना रही है। जिनको किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा है, इतना ही नहीं हमने उसको पूजा है। आने वाले समय में हमारी माताओं–बहनों–बेटियों के लिए अवसर ही अवसर आने वाले हैं। मिशन शक्ति से देश में नारीशक्ति की सुरक्षा और सशक्तिकरण का संपूर्ण इकोसिस्टम बनेगा। 15 हजार महिला SHG को ड्रोन मिलेंगे। अब ड्रोन दीदी खेती में वैज्ञानिकता और आधुनिकता लाएंगी। अब देश में 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनाई जाएंगी। जो काम सदियों से लटके थे, हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में 500 साल बाद धर्म ध्वजा फहराई गई है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहिब राहदारी खोली है। 7 दशक के इंतजार के बाद देश को आर्टिकल 370 से मुक्ति मिली है'।

'हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं'।

नरेंद्र मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमारे विपक्ष के दल भले ही योजनाओं को पूरा करना न जानते हों। लेकिन झूठे वादे करने में इनका कोई जवाब नहीं है। आज एक वायदा करने से ये सारे राजनीतिक दल घबराते हैं। वो वादा है – विकसित भारत का, और ये हमारा वादा है। सिर्फ और सिर्फ भाजपा और NDA गठबंधन ने ही इसका सपना देखा है। हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प से जुड़े सुझावों के लिए हम डेढ़ साल से चुपचाप काम कर रहे हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि अब तक 15 लाख से ज्यादा लोगों ने विकसित भारत के रोडमैप और नीतियों के लिए अपने विचार रखे हैं। इन 15 लाख में से आधे से ज्यादा वो लोग हैं जिनकी उम्र 35 से कम है। इस युवा सोच के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं'।

'60 साल में 1 ट्रिलियन, हमने 10 वर्षों में 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाया' भारत को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में 60 साल लग गए। हमने अपने 10 वर्षों में इसे 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया है। पिछली सरकार भारत को 11वीं से 10वीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंचाने में विफल रही। इसके विपरीत, भाजपा ने भारत को शीर्ष 5 में पहुंचा दिया है। आज, भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा है, और हमारा बुनियादी ढांचा बजट 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। हम 2029 में भारत में यूथ ओलंपिक के लिए तैयारी कर रहे हैं। आजादी के बाद वर्षों तक जिन्होंने हमारे देश पर शासन किया, उन्होंने एक व्यवस्था बना दी थी। उस व्यवस्था में कुछ बड़े परिवारों के लोग ही सत्ता के केंद्र में रहे. उनके आसपास रहने वाले लोगों को ही राजनीतिक ताकत मिलती रही। अहम पदों पर परिवार के करीबियों को ही आगे बढ़ाया गया। हमने इस व्यवस्था को भी बदल दिया।

'भारत 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी पाने के लिए काम कर रहा है'।

पीएम मोदी ने कहा, 'हमने नए लोगों को मौका दिया कि वो हमारी व्यवस्था का हिस्सा बनें और परिणाम लाकर दिखाएं। इससे व्यवस्था में नयापन आया और इसका लोकतांत्रिक स्वरूप कायम रहा। भारत 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी पाने के लिए काम कर रहा है। एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना हमारी गवर्नेंस भी दिखती है। हर क्षेत्र के विकास पर हमारा पूरा फोकस है। नार्थ–ईस्ट का उदाहरण आपके सामने है। पहले की सरकारों में नार्थ–ईस्ट को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया था। लेकिन हम वोट और सीटों के लिए काम नहीं करते। हमारे लिए तो देश का हर कोना समृद्ध और विकसित हो, यही हमारा भाव है। हमारी कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या में पूर्वोत्तर के मंत्री हैं। नागालैंड से पहली बार एक महिला राज्यसभा में सांसद बन गई है। हमें गर्व है कि हमने पहली बार त्रिपुरा के व्यक्ति को मंत्री परिषद में स्थान दिया है। पहली बार हमारी सरकार में अरुणाचल प्रदेश को कैबिनेट मिनिस्टर मिला है'।

"भाजपा देश की आशा, विपक्ष की हताशा":शाह

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी की गरिमामय उपस्थिति में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भारत मंडपम में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के साथ–साथ पार्टी के सभी केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उप–मुख्यमंत्री और जिलाध्यक्षों से लेकर राष्ट्रीय स्तर के तमाम पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। श्री शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को किसानों को सालाना ₹6,000 प्रदान करने, अर्थव्यवस्था को पांचवें स्थान पर पहुंचाने और नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने का श्रेय दिया, साथ ही **"वंशवादी पार्टियों के घमंडिया गठबंधन"** पर भी निशाना साधा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा भारत मंडपम में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में आए प्रस्ताव **"भाजपाः देश की आशा, विपक्ष की हताशा"** का प्रस्ताव रखा जो सर्व सम्पत्ति से पास हुआ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के शासनकाल में हुए परिवर्तनकारी बदलावों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। पिछले 75 वर्षों में, भारत ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। प्रत्येक सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान विकास के लिए प्रयास किए हैं, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि आज देश का समग्र विकास, हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास केवल आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 वर्षों के कार्यकाल और कुशल नेतृत्व में ही संभव हो पाया है। श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रत्येक किसानों को सालाना ₹6,000 प्रदान करने, अर्थव्यवस्था को पांचवें स्थान पर पहुंचाने और नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने का श्रेय दिया। श्री शाह ने **"वंशवादी पार्टियों के घमंडिया गठबंधन"** पर भी निशान साधा। उन्होंने योग्यता–आधारित, प्रदर्शन–आधारित राजनीतिक ढांचे के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और इसकी तुलना वंशवादी पार्टियों के नेतृत्व की भूमिकाओं में पारिवारिक उत्तराधिकार को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति से की।

श्री शाह ने कुछ पारिवारिक पार्टियों के अपने सदस्यों को मुख्यमंत्री बनाने के एकमात्र लक्ष्य की ओर इशारा किया, इसकी तुलना भाजपा के लोकतांत्रिक लोकाचार से की, जहां एक बूथ कार्यकर्ता भी राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बन सकता है। श्री अमित शाह ने विपक्ष द्वारा प्रमुख सुधारों का विरोध करने के पैटर्न के खिलाफ चेतावनी दी और वंशवादी गठबंधन शासित राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं का प्रदर्शन किया। एनडीए और वंशवादी घमंडिया गठबंधन के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए श्री शाह

ने एनडीए को विकल्प के रूप में चुनने पर जोर दिया और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश की निरंतर प्रगति का वादा किया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धियां गिनवाते हुए और ऐलान किया कि 2024 में मोदी 3.0 की सरकार आने वाली हैं और पहली बार देश का गौरव दूनिया ने महसूस किया है। श्री शाह नें संदेशखाली हिंसा पर कहा कि टीएमसी के राज में महिलाओं के अधिकार का हनन किया जा रहा है। इंडी अलायंस देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है।

केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने भाजपा की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि एक बूथ का कार्य संभालने वाला कार्यकर्ता भी देश का राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बन सकता है। भारतीय जनता पार्टी की सिद्धांत और आधार पूरी तरह लोकतांत्रिक हैं और इन्हीं लोकतांत्रिक सिद्धातों की नींव पर भाजपा के संगठन की इमारत मजबूती से खड़ी है। श्री शाह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी में किसी व्यक्ति का पद उसकी योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर तय किया जाता है। आज भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू एक जनजातीय परिवार से आती हैं और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महामहिम द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन कर पूरे देश की हर जनजाति का सम्मान और आदर किया है। राष्ट्रपति के बाद दूसरे सर्वोच्च पद यानि उपराष्ट्रपति पर आसीन श्री जगदीप धनखड़ देश के जाट समाज से आते हैं और देश के अन्नदाता किसान के बेटे हैं। एक किसान को बेटे को उपराष्ट्रपति बनाकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशभर के किसानों का सम्मान किया है और उन्हें सशक्त किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के पिछले एक दशक के कार्यकाल में देश का समग्र विकास और हर क्षेत्र का अभूतपूर्व कायाकल्प हुआ है। केन्द्रीय गृहमंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चलाई और इसके अंतर्गत प्रत्येक किसान को सालाना ₹6 हजार की राशि दी गई, जो दिखाता है कि केन्द्र की भाजपा सरकार किसानों, गरीबों और ग्रामीणों के समुचित विकास और उत्थान के लिए संकल्पित है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने पिछले 10 वर्षो में अर्थव्यवस्था के लेकर कई बड़े कदम उठाए और आर्थिक सुधार के लिए समर्पित नीतियां लागू जिसके परिणामस्वरूप आज भारतीय अर्थव्यवस्था 11 वें स्थान से छलांग लगाकर 5वें स्थान पर आ गई है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में देश का हर वर्ग का तेजी से विकास हुआ है। श्री शाह ने कार्यकर्ताओं से समक्ष भारतीय जनता पार्टी का विकसित भारत का संकल्प पेश करते हुए कहा कि इस अधिवेशन के बाद भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2047 में विकसित भारत के संकल्प को लेकर चुनाव में जाएगा। पूरे देश में संशय खत्म हो चुका है और आज पूरे देश ने एकजुट होकर तय कर लिया है कि 2024 में श्री नरेन्द्र मोदी को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे।

श्री अमित शाह ने भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं को

संबोधित करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में दो खेमे आमने–सामने हैं। जहां एक तरफ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की सरकार है और वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवारवादी पार्टियों वाला घमंडिया गठबंधन है। गृहमंत्री श्री शाह ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का पोषक है जबकि एनडीए गठबंधन राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाली सरकार है। श्री शाह ने कहा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 2014 से 2024 तक के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश में नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद समाप्ति की ओर है और आखिरी सांसें गिन रहा है। श्री शाह ने कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण, जातिवाद, वंशवाद आदि से मुक्ति दिलाई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' की स्थापना की और धीरे–धीरे ब्रिटिश शासन से जुड़े राष्ट्रीय प्रतीकों को हटाकर हमें औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर रहे हैं।

श्री अमित शाह ने बताया कि जहां एक ओर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत बनाना है वहीं दूसरी ओर इंडी गठबंधन के हर दल के प्रमुख नेता का लक्ष्य मात्र अपने बेटे या बेटी को सत्ता की गद्दी पर बिठाना है। कांग्रेस की सोनिया गांधी राहुल को पीएम, शरद पवार अपनी बेटी को सीएम, ममता बनर्जी अपने भतीजे को सीएम और स्टालिन, लालू एवं उद्धव अपने बेटे को सीएम बनाने का लक्ष्य लेकर राजनीति कर रहे हैं। इन सबके अलावा मुलायम सिंह यादव तो अपने बेटे अखिलेश को सीएम पद पर बिठाकर ही गए। श्री अमित शाह ने विपक्षी पार्टियों पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जिस नेता का लक्ष्य अपने परिवार के लिए सत्ता हथियाना हो, वो कभी भी गरीब कल्याण, जनउत्थान और देश का विकास नहीं कर सकता। वंशवादी राजनीति पर तंज कसते हुए श्री शाह ने कहा कि इस देश में 2ळ, 3ळ और 4ळ पार्टियां है। 2ळ का मतलब घोटाला नहीं है। 2ळ का मतलब 2 जेनरेशन पार्टी है और 4–4 पीढ़ी तक इनका नेता नहीं बदलता है।

श्री अमित शाह ने कहा अब देश में **"डेवलपमेंट अलायंस (NDA) बनाम डायनेस्टिक अलायंस (INDIA)"** है। श्री शाह ने कहा कि देश की बागडोर संभालने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से बेहतर कोई नेता नहीं है। अगर भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी नहीं होती तो एक चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था। इंडी गठबंधन सात परिवारवादी दलों का गठबंधन है और इन पार्टियों में पिछली चार पीढ़ियों से नेता नहीं बदला है, इन दलों का मुख्य उद्देश अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुनिश्चित करना है और जब बेटों का कल्याण ही मुख्य लक्ष्य हो तो देश का कल्याण कैसे होगा?

श्री शाह ने बताया कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार के 10 वर्षों के शासन के बाद आज देश का प्रत्येक व्यक्ति विकसित भारत का स्वप्न लेकर आगे बढ़ रहा है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में जनता ने विपक्षी दलों को इस प्रकार नकार दिया है कि दूर–दूर तक घमंडिया गठबंधन को सत्ता प्राप्ति की संभावना नहीं दिखती है और इसी कारण इन विपक्षी दलों के नेता आजकल हर चीज का विरोध करने लगे हैं। विपक्षी दलों ने अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक खत्म करने और ओबीसी कमीशन का विरोध तो किया ही लेकिन इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने में भी इन लोगों ने काफी व्यवधान उत्पन्न किया। श्री शाह ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा कर केवल इस ऐतिहासिक पल का हिस्सेदार बनने से खुद को अलग ही नहीं किया है बल्कि कांग्रेस ने देश को महान बनाने की प्रक्रिया से भी खुद को दूर कर लिया है। भारत की जनता विपक्ष का रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकराने और इसके पीछे की इनकी नीयत को देख भी रही है और याद भी रख रही है।

मोदी जी की सरकार के 10 वर्षों के शासन के बाद आज देश का प्रत्येक व्यक्ति विकसित भारत का स्वप्न लेकर आगे बढ़ रहा है।

श्री अमित शाह ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि यह सभी परिवारवादी पार्टियां इस तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं करने में लगी रही कि कभी भी देश में जनमत स्वतंत्र रूप से उभरकर न आए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दस साल के कुशल प्रशासन में भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण और जातिवाद को समाप्त कर देश में अभूतपूर्व विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं। अंत में उन्होंने कहा कि 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में मोदी 3.0 शुरू होगा और 2047 में विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

मोदी जी की नीतियों, योजनाओं से देश मजबूत हुआः नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भारत मंडपम में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र में अधिवेशन का संक्षिप्त ब्यौरा देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अधिवेशन के समापन भाषण के लिए सादर आमंत्रित करते हैं और समापन भाषण के लिए उनका स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अधिवेशन के समापन भाषण में भाजपा कार्यकर्ताओं को दिशा एवं दृष्टि देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी लोग, आप और हम भी, अधिवेशन में पारित प्रस्ताव को गहराई से पढ़कर जनता के बीच ले जाएं। ये प्रस्ताव आने वाले चुनाव में एक मंत्र के रूप में काम करेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में अनेकों दृष्टि से योजनाओं से लेकर भारतीय जनता पार्टी की राजनैतिक दृष्टि तक, पार्टी समाज के हर वर्ग के लिए पार्टी के काम आदि के बारे में विस्तृत चर्चा हुई है। हर छोटी–बड़ी बात की बारीकियों के बारे में इतने बड़े अधिवेशन में वृहत रूप से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव की योजनाएं और चुनाव की दृष्टि से होने वाले कार्यो के बारे में चर्चा की गयी। इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हुए। जिसमें सभी प्रदेश भाजपा के अध्यक्षों, संगठन मंत्रियों 543 लोकसभा क्षेत्र की दृष्टि से बने हुए 160 कलस्टर के नेतृत्वकर्ताओं के साथ विस्तृत रूप से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हम लोगों को पहले जो सुझाव दिए थे, उस सुझाव को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मेहनत से जमीनी स्तर पर उतारने के बारे में भी पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा हुई।

केंद्रीय गृहमंत्री वक्तव्य भी हम सभी के लिए टॉकिंग प्वाइंट्स है। उनके संबोधन के अंश से टॉकिंग प्वाइंट्स निकालकर राजनीतिक चर्चा में जिक्र करें, राजनीतिक चर्चा में जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की उपलब्धियों के बारे बताते हैं, वहीं विपक्ष के नकारेपन को भी सबके सामने उजागर करें।

भारतीय जनता पार्टी एकमात्र पार्टी है जहाँ गंभीर राजनीतिक चर्चाएं, इतने बड़े अधिवेशन में, पूरी ताकत के साथ सभी को समावेश कर किया जाता है।

श्री नड्डा ने कहा कि मैंने अधिवेशन के शुभारम्भ भाषण में कहा था कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए संगठन सर्वोच्च प्राथमिकता है। याद होगा कि यूपीए के प्रधानमंत्री से लेकर अन्य विपक्षी दलों से बने प्रधानमंत्री अपनी पार्टी के राजनीतिक अधिवेशन में कुछ समय के लिए शामिल होते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान सेवक के रूप में सफलतापूर्वक देश में जनकल्याण एवं विकास के काम करते हुए पार्टी का कुशल मार्गदर्शन भी किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान शुरू से अंत तक बैठे रहे और हमसबों का मार्गदर्शन भी किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसा नेतृत्व हमलोगों को मिला है, जो संगठन को लगातार दिशा एवं दृष्टि देते रहे हैं।

श्री नड्डा ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह जी ने आज सुबह अधिवेशन में "देश की आशा और विपक्ष की निराशा" को दूसरे प्रस्ताव के रूप में रखा है। मैं चाहुंगा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता इस प्रस्ताव को गहराई से पढ़ें। साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह जी द्वारा प्रस्ताव पेश करते हुए जो वक्तव्य दिए गए, उसे भी जनता के बीच ले जाएं। श्री अमित शाह जी ने अपने वक्तव्य में पिछले दस सालों के दौरान विपक्ष के नकारेपन के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की है। नकारेपन शब्द कहना अच्छा नहीं है, लेकिन इससे उपर का शब्द मिलता नहीं है।

श्री अमित शाह जी के वक्तव्य को जनता के बीच पहुंचाने का

आग्रह करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह का वक्तव्य भी हम सभी के लिए टॉकिंग प्वाइंट्स है। उनके संबोधन के अंश से टॉकिंग प्वाइंट्स निकालकर राजनीतिक चर्चा में जिक्र करें, राजनीतिक चर्चा में जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताते हैं, वहीं विपक्ष के नकारेपन को भी सबके सामने उजागर करें। साथ ही विपक्ष के अकर्मण्य नेताओं की सच्चाई को भी सबके सामने लाने की जरूरत है। विपक्ष ने पिछले दस सालों में विपक्ष की भूमिका भी सही ढंग से नहीं निभाई है, उसे भी लोगों के सामने पूरी स्पष्टता के साथ रखना है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को अधिवेशन में रखे गए प्रस्ताव का उपयोग करते हुए आगे बढ़ना है। श्रीराम जन्मभूमि पर आए प्रस्ताव को भी भाजपा कार्यकर्ता समय समय पर उपयोग कर सकते हैं।

अधिवेशन के पहले दिन लाए गए राजनैतिक प्रस्ताव के बारे में बताते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अधिवेशन के पहले दिन 'विकसित भारत, मोदी की गारंटी' का राजनैतिक प्रस्ताव रखा। उस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों एवं योजनाओं की उपलब्धियां को रखा गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अधिवेशन के पहले दिन "विकसित भारत, मोदी की गारंटी" नामक राजनैतिक प्रस्ताव रखा। उस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों एवं योजनाओं की उपलब्धियां को प्रस्तुत किया गया है।

वहीं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अधिवेशन में आर्थिक दृष्टि से भारत कैसे सबल एवं मजबूत और दुनिया में मजबूत अर्थनीति के साथ खड़ा हुआ है, इस बारे में उन्होंने विस्तृत जानकारियां दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं से निवेदन करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित हुए प्रस्ताव को गहराई से पढ़कर अपने प्रदेश एवं अपने अपने बूथ पर जरूर चर्चा करें। प्रस्ताव को बुलेट प्वाइंट्स बनाकर लोगों के बीचे रखने का प्रयास करें, जो छोटे–छोटे प्वाइंट्स में हों और जिसे सभी लोग सरलता से समझ सकें, ताकि लोग समझ सकें कि कैसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों एवं योजनाओं से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को सुझाव देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण का एक–एक वाक्य सरकार की उपलब्धियों को बताता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण को अच्छे ढंग से पढ़कर भाजपा कार्यकर्ता उसका भी उपयोग करते हुए हर पंचायत और हर बूथ पर परिचर्चा करें। साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लोकसभा एवं राज्यसभा में दिए गए उद्‌बोधन को भी पढ़कर परिचर्चा करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सदन को बताया है कि कैसे विपक्ष ने नीचले स्तर पर पहुंचकर देश के साथ अन्याय किया है। इन सभी तथ्यों को डाक्यूमेंट के रूप में आप सबको मिलेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि यूपीए सरकार के दस वर्षों के दौरान आर्थिक दृष्टि से घपले, भ्रष्टाचार और कुशासन हुए, उसका विस्तृत ब्यौरा श्वेत पत्र के रूप में जारी किया गया है। श्वेत पत्र में इसका बिंदुवार और विस्तृत ब्यौरा भी दिया गया है। भाजपा कार्यकर्ता इस श्वेत पत्र को पंचायत एवं बूथ स्तर तक जनता के बीच सही ढंग से ले जाएं।

विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प : मोदी

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, योगी आदित्यनाथ जी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी, यूपी के उपमुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्यक्ष श्री, अन्य महानुभाव, देश विदेश से यहां आए औद्योगिक क्षेत्रकी उपस्थिति में लखनऊ के ग्राउन्ड ब्रेकिंग समारोह सम्पन्न हुआ जिसको सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज हम यहां विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं। और मुझे बताया गया कि इस समय टेक्नॉलॉजी के माध्यम से हमारे साथ यूपी की 400 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर लाखों लोग इस कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए हैं। जो लोग टेक्नोलॉजी से इस कार्यक्रम में जुड़े हैं, मैं मेरे इन सभी परिवारजनों का भी हृदय से स्वागत करता हूं। 7—8 वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि उत्तर प्रदेश में भी निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। चारों तरफ अपराध, दंगे, छीना—झपटी, यही खबरें आती रहती थीं। उस दौरान अगर कोई कहता कि यूपी को विकसित बनाएंगे, तो शायद कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता, विश्वास करने का तो सवाल ही नहीं था। लेकिन आज देखिए, लाखों करोड़ रुपए का निवेश उत्तर प्रदेश की धरती पर उतर रहा है। और मैं उत्तर प्रदेश का सांसद हूं। और मेरे उत्तर प्रदेश में जब कुछ होता है तो मुझे सबसे ज्यादा आनंद होता है। आज हज़ारों प्रोजेक्ट्स पर काम शुरु हो रहा है। ये जो फैक्ट्रियां लग रही हैं, ये जो उद्योग लग रहे हैं, ये यूपी की तस्वीर बदलने वाले हैं। मैं सभी निवेशकों को, और विशेषकर यूपी के सभी युवाओं को विशेष रूप से बधाई देता हूं।

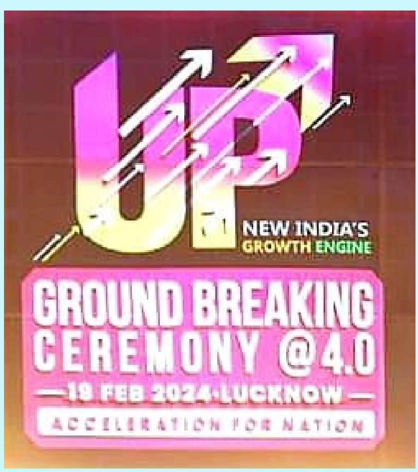

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ग्राउंडब्रेकिंग समारोह

यूपी में डबल इंजन की सरकार बने 7 वर्ष हो रहे हैं। बीते 7 वर्षों में प्रदेश में रेड टेप का जो कल्चर था, उस रेड टेप के कल्चर को खत्म करके रेड कार्पेट कल्चर बन गया है। बीते 7 वर्षों में यूपी में क्राइम कम तो हुआ, बिजनेस कल्चर का विस्तार हुआ है। बीते 7 वर्षों में यूपी में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। डबल इंजन सरकार ने दिखाया है कि अगर बदलाव की सच्ची नीयत है तो उसे कोई रोक नहीं सकता। बीते कुछ वर्षों में यूपी से होने वाला एक्सपोर्ट, अब दोगुना हो चुका है। बिजली उत्पादन हो या फिर ट्रांसमिशन, आज यूपी प्रशंसनीय काम कर रहा है। आज यूपी वो राज्य है, जहां देश के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं। आज यूपी वो राज्य है, जहां देश में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स हैं। आज यूपी वो राज्य है, जहां देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का एक बड़ा नेटवर्क भी उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। यूपी में नदियों के विशाल

नेटवर्क का इस्तेमाल भी मालवाहक जहाजों के लिए किया जा रहा है। इससे यूपी में आवाजाही आसान हो रही है, ट्रांसपोर्टेशन तेज़ और सस्ता हुआ है।

आज के इस कार्यक्रम का आकलन, मैं सिर्फ निवेश के लिहाज से नहीं कर रहा हूं। यहां आप सभी निवेशकों के बीच जो आशावाद दिख रहा है, बेहतर रिटर्न की जो उम्मीद दिख रही है, उसका संदर्भ बहुत व्यापक है। आज आप दुनिया में कहीं भी जाएं, भारत को लेकर अभूतपूर्व पॉजिटिविटी दिख रही है। चार–पांच दिन पहले मैं यूएई और कतर की विदेश यात्रा से लौटा हूं। हर देश, भारत की ग्रोथ स्टोरी को लेकर आश्वस्त है, भरोसे से भरा हुआ है। आज देश में मोदी की गारंटी की बहुत चर्चा है। लेकिन आज पूरी दुनिया भारत को, बेहतर रिटर्न्स की गारंटी मान रही है। अक्सर हमने देखा है कि चुनाव के नज़दीक लोग नए निवेश से बचते हैं। लेकिन आज भारत ने ये धारणा भी तोड़ दी है। आज दुनियाभर के इन्वेस्टर्स को भारत में सरकार की, पॉलिसी की, स्टेबिलिटी पर पूरा भरोसा है। यही विश्वास यहां यूपी में, लखनऊ में भी झलक रहा है।

मैं जब विकसित भारत की बात करता हूं, तो इसके लिए नई सोच भी चाहिए, नई दिशा भी चाहिए। देश में जिस प्रकार की सोच आज़ादी के अनेक दशकों बाद तक रही, उस पर चलते हुए ये संभव ही नहीं था। वो सोच क्या थी? सोच थी, कि देश के नागरिकों का जैसे–तैसे गुज़ारा कराओ, उन्हें हर मूलभूत सुविधा के लिए तरसा कर रखो। पहले की सरकारें सोचती थीं कि सुविधाएं बनाओ तो 2–4 बड़े शहरों में, नौकरियों के अवसर बनाओ तो कुछ चुनिंदा शहरों में। ऐसा करना आसान था, क्योंकि इसमें मेहनत कम लगती थी। लेकिन इसके कारण, देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा विकास से वंचित रह गया। यूपी के साथ भी अतीत में ऐसा ही हुआ है। लेकिन डबल इंजन सरकार ने उस पुरानी राजनीतिक सोच को बदल दिया है। हम उत्तर प्रदेश के हर परिवार के जीवन को आसान बनाने में जुटे हैं। जब जीवन आसान होगा, तो बिजनेस करना और कारोबार करना अपने आप में आसान होगा। आप देखिए, हमने गरीबों के लिए 4 करोड़ पक्के घर बनाए हैं। लेकिन साथ ही शहरों में रहने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों को अपने घर का सपना पूरा करने के लिए हमने लगभग 60 हज़ार करोड़ रुपए की मदद भी की है। इस पैसे से शहरों में रहने वाले 25 लाख मध्यम वर्गीय परिवारों को ब्याज में छूट मिली है। इसमें डेढ़ लाख लाभार्थी परिवार मेरे यूपी के हैं। हमारी सरकार ने आयकर में जो कमी की है, उसका भी बड़ा लाभ मध्यम वर्ग को मिला है। 2014 से पहले सिर्फ 2 लाख रुपए की आय पर ही इनकम टैक्स लग जाता था। जबकि बीजेपी सरकार में अब 7 लाख रुपए तक की आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं देना होता। इस वजह से मध्यम वर्ग के हजारों करोड़ रुपए बचे हैं।

हमने यूपी में ease of living और ease of doing business पर समान बल दिया है। डबल इंजन सरकार का मकसद है कि कोई भी लाभार्थी, किसी भी सरकारी योजना से वंचित न रहे। हाल में जो विकसित भारत संकल्प यात्रा हुई है, इसमें भी यूपी के लाखों लाभार्थियों को उनके घर के पास ही योजनाओं से जोड़ा गया है। मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, गांव–गांव, शहर–शहर पहुंची है। सैचुरेशन यानि शत–प्रतिशत लाभ जब सरकार अपनी तरफ से लाभार्थियों तक पहुंचाती है, तो वही सच्चा सामाजिक न्याय है। यही सच्चा सैकुलरिज्म है। आप याद करिए, भ्रष्टाचार और भेदभाव का एक बहुत बड़ा कारण क्या

होता है? पहले की सरकारों में लोगों को अपने ही लाभ पाने के लिए लंबी–लंबी लाइनें लगानी पड़ती थी। एक खिड़की से दूसरी खिड़की तक कागज लेकर भागदौड़ करनी पड़ती थी। अब हमारी सरकार खुद गरीब के दरवाज़े पर आ रही है। और ये मोदी की गारंटी है कि जब तक हर लाभार्थी को उसका हक नहीं मिल जाता, हमारी सरकार शांत नहीं बैठेगी। चाहे राशन हो, मुफ्त इलाज हो, पक्का घर हो, बिजली–पानी–गैस कनेक्शन हो, ये हर लाभार्थी को मिलता रहेगा।

मोदी आज उनको भी पूछ रहा है, जिनको पहले किसी ने नहीं पूछा। शहरों में हमारे जो ये रेहड़ी–पटरी–ठेले वाले भाई–बहन होते हैं, पहले इनकी मदद करने के बारे में किसी सरकार ने नहीं सोचा। इन लोगों के लिए हमारी सरकार पीएम स्वनिधि योजना लेकर आई। अभी तक इससे देशभर में रेहड़ी–पटरी–ठेले वालों को लगभग 10 हज़ार करोड़ रुपए की मदद दी जा चुकी है। यहां यूपी में भी 22 लाख रेहड़ी–पटरी–ठेले वाले साथियों को इसका लाभ मिला है। पीएम स्वनिधि योजना का जो प्रभाव हुआ है, वो दिखाता है कि जब गरीब को संबल मिलता है, तो वो कुछ भी कर सकता है। पीएम स्वनिधि योजना के अध्ययन में एक बहुत महत्वपूर्ण बात सामने आई है कि स्वनिधि की सहायता प्राप्त करने वाले साथियों की वार्षिक कमाई में औसतन 23 हज़ार रुपए की अतिरिक्त वृद्धि हुई है। आप मुझे बताइए, ऐसे साथियों के लिए ये अतिरिक्त कमाई कितनी बड़ी शक्ति बन जाती है। पीएम स्वनिधि योजना ने रेहड़ी–पटरी–ठेले वालों की खरीद शक्ति को भी बढ़ा दिया है। एक और अध्ययन में पता चला है कि स्वनिधि योजना के करीब 75 प्रतिशत लाभार्थी दलित, पिछड़े और आदिवासी भाई–बहन हैं। इसमें भी लगभग आधी लाभार्थी हमारी बहनें हैं। पहले इन्हें बैंकों से कोई मदद नहीं मिलती थी, क्योंकि इनके पास बैंकों को देने के लिए कोई गारंटी नहीं थी। आज इनके पास मोदी की गारंटी है, और इसलिए इन्हें बैंकों से भी मदद मिल रही है। यही तो सामाजिक न्याय है, जिसका सपना कभी जेपी ने देखा था, कभी लोहिया जी ने देखा था।

हमारी डबल इंजन सरकार के निर्णय और उसकी योजनाओं से सामाजिक न्याय और अर्थव्यवस्था, दोनों को फायदा होता है। आपने लखपति दीदी के संकल्प के बारे में ज़रूर सुना होगा। बीते 10 वर्षों के दौरान हमने देशभर में 10 करोड़ बहनों को सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जोड़ा है। इनमें से अभी तक, आप उद्योग जगत के लोग हैं जरा ये आंकड़ा सुनिये, अभी तक 1 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। और अब सरकार ने तय किया है कि कुल 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाकर के रहेंगे। हमारे देश में करीब ढाई लाख ग्राम पंचायतें हैं। आप कल्पना कीजिए कि 3 करोड़ लखपति दीदी बनने से हर ग्राम पंचायत में खरीद शक्ति कितनी बढ़ेगी। इसका बहनों के जीवन के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बहुत सकारात्मक असर पड़ रहा है।

जब हम विकसित यूपी की बात करते हैं, तो इसके पीछे एक और ताकत है। ये ताकत है, यहां के MSMEs, यानि छोटे, लघु और कुटीर उद्योगों की ताकत। डबल इंजन सरकार बनने के बाद यूपी में MSMEs का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। यहां MSMEs को हजारों करोड़ रुपए की मदद दी गई है। ये जो डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है, जो नए इक्नॉमिक कॉरिडोर बन रहे हैं, इनसे भी MSMEs को बहुत लाभ होगा।

यूपी के करीब–करीब हर जिले में कुटीर उद्योगों की एक पुरानी परंपरा है। कहीं ताले बनते हैं, कहीं पीतल की कारीगरी है, कहीं कालीन बनते हैं, कहीं चूड़ियां बनती हैं, कहीं मिट्टी की कलाकारी होती है, कहीं चिकनकारी का काम होता है। इस परंपरा को हम One District, One Product – एक जिला, एक उत्पाद योजना से सशक्त कर रहे हैं। आप रेलवे स्टेशनों पर भी देखेंगे कि एक जिला– एक उत्पाद योजना, को कैसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, प्रचारित किया जा रहा है। अब तो हम 13 हजार करोड़ रुपए की पीएम विश्वकर्मा योजना लेकर भी आए हैं। ये योजना, यूपी में परंपरागत रूप से हस्तशिल्प से जुड़े लाखों विश्वकर्मा परिवारों को आधुनिकता से जोड़ेगी। उन्हें अपना कारोबार बढ़ाने के लिए बैंकों से सस्ता और बिना गारंटी का ऋण दिलाने में मदद करेगी।

हमारी सरकार कैसे काम करती है, इसकी झलक आपको खिलौने बनाने वाले सेक्टर में भी मिलेगी। और मैं तो

काशी का सांसद होने के नाते भी वहां बनने वाले लकड़ी के खिलौनों को प्रमोट करता ही रहता हूं।

कुछ साल पहले तक भारत अपने बच्चों के लिए अधिकतर खिलौने विदेशों से आयात करता था। ये स्थिति तब थी जब भारत में खिलौनों की एक समृद्ध परंपरा रही है। पीढ़ियों से लोग खिलौने बनाने में कुशल रहे हैं। लेकिन भारतीय खिलौनों को प्रमोट नहीं किया गया, कारीगरों को आधुनिक दुनिया के अनुसार बदलने के लिए मदद नहीं दी गई। जिसके कारण भारत के बाजारों और घरों पर विदेशी खिलौनों का कब्जा हो गया। मैंने इसे बदलने की ठानी और देशभर में खिलौना बनाने वालों के साथ खड़े रहना, उनकी मदद करना और मैंने उनको आगे बढ़ने की अपील की। आज स्थिति ये है कि हमारा इम्पोर्ट, हमारा आयात बहुत कम हो गया है और खिलौनों का निर्यात कई गुणा बढ़ गया है।

यूपी में भारत का सबसे बड़ा टूरिज्म हब बनने का सामर्थ्य है। आज देश का हर व्यक्ति वाराणसी और अयोध्या आना चाहता है। हर दिन लाखों लोग इन स्थानों पर दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। इसके कारण यहां यूपी में छोटे उद्यमियों के लिए, एयरलाइंस कंपनियों के लिए, होटल–रेस्त्रां वालों के लिए अभूतपूर्व अवसर बन रहे हैं और मेरा तो एक आग्रह है, मैं देश के ये सभी टूरिस्टों से आग्रह करता हूं, देश के सभी यात्रियों से आग्रह करता हूं कि आप जब टूर पर जाने का बजट बनाएं तो उसमें से 10 पर्सेंट बजट जिस जगह पर जा रहे हैं, वहां से कुछ न कुछ खरीदने के लिए रखें। आपके लिए वो कठिन नहीं है, क्योंकि आप हजारों रुपया खर्च करने के लिए यात्रा पर निकले हैं। अगर उसमें 10 पर्सेंट जिस जगह पर जा रहे हैं, वहां की लोकल चीज खरीदेंगे, वहां की economy आसमान को छूने लग जाएगी। मैं इन दिनों एक और बात कहता हूं, ये बड़े–बड़े धनी लोग बैठे हैं ना, उनको जरा ज्यादा चुभती है लेकिन मैं आदत से कहता रहता हूं। आजकल दुर्भाग्य से देश में फैशन चल पड़ी है, अमीरी का मतलब होता है विदेशों में जाओ, बच्चों की शादी विदेशों में करो। इतना बड़ा देश क्या आपके बच्चे हिन्दुस्तान में शादी नहीं कर सकते। कितने लोगों को रोजगार मिलेगा। और जब से मैंने शुरू किया है– वेड इन इंडिया, मुझे चिट्ठियां आ रही हैं। साहब हमने पैसा जमा कराया था, विदेश शादी करने वाले थे, लेकिन आपने कहा कैंसिल कर दिया है, अब हिन्दुस्तान में शादी करेंगे। देश के लिए भगत सिंह की तरह फांसी पर लटके, तभी देश की सेवा होती है ऐसा नहीं है। देश के लिए काम कर करके भी देश की सेवा हो सकती है दोस्तों। और इसलिए मैं कहता हूं बेहतर लोकल, नेशनल और इंटरनेशनल कनेक्टिविटी से यूपी में आना–जाना अब बहुत आसान हो गया है। वाराणसी के रास्ते बीते दिनों हमने दुनिया की सबसे लंबी क्रूज सर्विस को भी शुरू कराया है। 2025 में कुंभ मेले का आयोजन भी होने वाला है। ये भी यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। आने वाले समय में टूरिज्म और हॉस्पिटेलिटी सेक्टर में यहां बहुत बड़ी संख्या में रोजगार बनने वाले हैं।

हमारा प्रयास है कि हमारी जो ताकत है, उसे भी आधुनिकता के साथ जोड़ें, सशक्त करें और नए सेक्टर्स में भी कमाल करें। आज भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्रीन एनर्जी पर बहुत अधिक फोकस कर रहा है। हम भारत को ऐसी टेक्नॉलॉजी में, ऐसी मैन्युफेक्चरिंग में ग्लोबल हब बनाना चाहते हैं। हमारा प्रयास है कि देश का हर घर, हर परिवार सोलर पावर generator बन जाए। इसलिए हमने, पीएम सूर्यघर–मुफ्त बिजली योजना शुरु की है। इस योजना के तहत 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी और अतिरिक्त बिजली, लोग सरकार को बेच भी पाएंगे। अभी ये योजना 1 करोड़ परिवारों के लिए है। इसमें हर परिवार के बैंक खाते में सीधे, 30 हज़ार रुपए से लेकर करीब–करीब 80 हज़ार रुपए तक जमा कराए जाएंगे। यानि जो 100 यूनिट बिजली हर महीने जनरेट करना चाहता है, उन्हें 30 हज़ार रुपए की मदद मिलेगी। जो 300 यूनिट या उससे अधिक बिजली बनाना चाहेंगे, उन्हें करीब 80 हज़ार रुपए मिलेंगे। इसके अलावा, बैंकों से बहुत सस्ता और आसान ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। एक आकलन है कि इससे इन परिवारों को मुफ्त बिजली तो मिलेगी ही, साल में 18 हज़ार रुपए तक की बिजली बेचकर अतिरिक्त कमाई भी कर सकते हैं। इतना

ही नहीं, इससे इंस्टॉलेशन, सप्लाई चेन और मेंटनेस से जुड़े सेक्टर में ही लाखों रोजगार बनेंगे। इससे लोगों को 24 घंटे बिजली देना, तय यूनिट तक मुफ्त बिजली देना भी आसान हो जाएगा।

सोलर पावर की तरह ही हम इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर भी मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की मैन्युफेक्चरिंग करने वाले साथियों को PLI योजना का लाभ दिया गया है। इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर टैक्स में छूट दी गई है। इसी का परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में लगभग साढ़े 34 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके हैं। हम तेज़ गति से इलेक्ट्रिक बसें उतार रहे हैं। यानि सोलर हो या फिर EV, दोनों सेक्टर्स में यूपी में बहुत संभावनाएं बन रही हैं।

अभी कुछ दिन पहले हमारी सरकार को किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला। उत्तर प्रदेश की धरती के बेटे चौधरी साहब का सम्मान करना देश के करोड़ों मजदूर, देश के करोड़ों किसानों का सम्मान है। लेकिन दुर्भाग्य से ये बात कांग्रेस और उसके सहयोगियों को समझ में नहीं आती है। आपने देखा होगा कि जब चौधरी चरण सिंह जी के बारे में संसद में बात हो रही थी, तो कैसे कांग्रेस के लोगों ने चौधरी साहब के बारे में बोलना तक मुश्किल कर दिया था। कांग्रेस के लोग, भारत रत्न पर एक ही परिवार का हक समझते हैं। इसलिए कांग्रेस ने दशकों तक बाबा साहेब आंबेडकर को भी भारत रत्न नहीं दिया। ये लोग अपने ही परिवार के लोगों को भारत रत्न देते रहे। दरअसल कांग्रेस गरीब, दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर का सम्मान करना ही नहीं चाहती है, ये उनकी सोच में नहीं है। चौधरी चरण सिंह जी के जीवन काल में भी कांग्रेस ने उनसे सौदेबाजी की बहुत कोशिश की थी। चौधरी साहब ने पीएम की कुर्सी को त्याग दिया पर अपने उसूलों से समझौता नहीं किया। उनको राजनीतिक सौदेबाजी से नफरत थी। लेकिन दुख की बात है कि उनका नाम लेकर राजनीति करने वाले उत्तर प्रदेश के तमाम दलों ने चौधरी साहब की बात को नहीं माना। चौधरी साहब ने छोटे किसानों के लिए जो किया वो पूरा देश कभी नहीं भूल सकता। आज चौधरी साहब से प्रेरणा लेकर हम देश के किसानों को निरंतर सशक्त कर रहे हैं।

हम देश की खेती को एक नए रास्ते पर ले जाने के लिए किसानों को मदद दे रहे हैं, प्रोत्साहन दे रहे हैं। प्राकृतिक खेती और मिलेट्स पर फोकस के पीछे भी यही ध्येय है। आज गंगा जी के किनारे, यूपी में बहुत बड़े पैमाने पर प्राकृतिक खेती होने लगी है। ये किसानों को कम लागत में अधिक लाभ देने वाली खेती है। और इससे गंगा जी जैसी हमारी पावन नदियों का जल भी दूषित होने से बच रहा है। आज मैं फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमियों से भी विशेष आग्रह करुंगा। आपको ज़ीरो इफेक्ट, ज़ीरो डिफेक्ट के मंत्र पर ही काम करना चाहिए। आपको एक ही ध्येय के साथ काम करना चाहिए कि दुनियाभर के देशों के डायनिंग टेबल पर कोई न कोई मेड इन इंडिया फूड पैकेट ज़रूर होना चाहिए। आज आपके प्रयासों से ही सिद्धार्थ नगर का काला नमक, चावल, चंदौली का ब्लैक राइस हो, बड़ी मात्रा में एक्सपोर्ट होने लगा है। विशेष रूप से मिलेट्स यानि श्री अन्न को लेकर एक नया ट्रेंड हम देख रहे हैं। इस सुपरफूड को लेकर इन्वेस्टमेंट का भी ये सही समय है। इसके लिए आपको किसानों को उनकी पैदावर में मूल्य वृद्धि कैसे हो, पैकेजिंग कैसे हो दुनिया के बाजार में, मेरा किसान जो पैदा करता है वो कैसे पहुंचे, इसके लिए आगे आना चाहिए। आज सरकार भी छोटे–छोटे किसानों को बाज़ार की बड़ी ताकत बनाने में जुटी है। हम किसान उत्पाद संघ– FPOs और सहकारी समितियों को सशक्त कर रहे हैं। इन संगठनों के साथ आपको value edition कैसे हो, आप उनको टेक्नोलॉजी की नॉलेज कैसे दे सकते हैं, आप उनका माल खरीदने की गारंटी कैसे दे सकते हैं। जितना किसान का फायदा होगा, जितना मिट्टी का फायदा होगा, उतना ही फायदा आपके बिजनेस को भी होगा। यूपी ने तो भारत की rural economy, खेती आधारित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में हमेशा बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए इस अवसर का आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना चाहिए। मुझे अपने यूपी के परिवारजनों के सामर्थ्य और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। आज जो आधारशिला रखी गई है वो यूपी और देश की प्रगति की आधारशिला बनेगी, और मैं योगी जी को, उत्तर प्रदेश सरकार को विशेष बधाई देता हूं। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है, जब हम सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश ने ठान लिया है कि एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाएंगे। मैं देश के सभी राज्यों से आग्रह करूंगा, राजनीति अपनी जगह पर छोड़िये, जरा उत्तर प्रदेश से सीखिए और आप कितने ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी अपने राज्य की बनाइये, जरा संकल्प करके आइये ना मैदान में, देश तभी आगे बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश की तरह हर राज्य बड़े सपने, बड़े संकल्प लेकर के चल पड़े और मेरे उद्योग जगत के साथी भी अनंत अवसर की वेला हैं। आइये दम लगाइए, हम तैयार बैठे हैं।

जब लाखों लोग उत्तर प्रदेश के आज इस बात को सुन रहे हैं। 400 स्थान पर हजारों की तादाद में लोग बैठे हैं, तो मैं उनको भी विश्वास दिलाता हूं, आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से उत्तर प्रदेश अपने सारे संकल्पों को पूरा कर देगा। आइये हम सब मिलकर के आगे बढ़ें। इसी कामना के साथ आप सबको बहुत–बहुत अभिनंदन, बहुत बहुत धन्यवाद!

उत्तर प्रदेश में बदलाव

हृदयनारायण दीक्षित

उत्तर प्रदेश अनूठा है। उत्तर के कई अर्थ होते हैं। यह किसी प्रश्न का समाधान हो सकता है और उत्तर दिशा भी। उत्तर का अर्थ बाद का अंश भी होता है। रामकथा का आखिरी भाग उत्तरकाण्ड कहा गया है। भारत भूमि का उत्तर भाग उत्तर प्रदेश विशेष प्रकार का है। जनसँख्या की दृष्टि से यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति की विशेष इकाई है। महाभारत और रामायण दुनिया के सबसे बड़े महाकाव्य हैं। महाभारत इतिहास, काव्य है। इसमें दुनिया के सभी दर्शन हैं। रामायण विश्व सम्पदा है। इसी आधार पर दुनिया की भिन्न भिन्न भाषाओं में रामकथा लिखी गई। दोनों की रचना उत्तर प्रदेश में हुई है। गीता का प्रबोधन यहीं हुआ। श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम का जन्मस्थान अयोध्या भी यहाँ है। श्रीकृष्ण की बांसुरी के सुर और रासलीला का क्षेत्र भी यहीं है। श्रीराम और श्रीकृष्ण असाधारण मनुष्य। असाधारण देवता और विष्णु के अवतार यहीं के हैं। योग को अनेक आयाम देने वाली गुरु गोरखनाथ की भूमि यहीं है। गुरु गोरखनाथ और परवर्ती पीठाधीश्वरों ने योग विज्ञान में ध्यान साधना के विशेष आयाम जोड़े। गोरखपुर यहीं है। इसी नाथ परम्परा के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ इस राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं।

पीछे दीर्घकाल से यह प्रदेश अनेक प्रश्नों और चुनौतियों की भूमि रहा है। अनेक प्रश्न और अनेक समस्याएं। बेरोजगारी, अलाभकर कृषि, निवेश का अभाव, मस्तिष्क ज्वर से सैकड़ों मौतें, बीमार चिकित्सा सेवाएं, ध्वस्त बिजली व्यवस्था जैसे अनेक प्रश्न। उत्तर प्रदेश प्रश्न प्रदेश था। सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था की रही है। मुख्यमंत्री योगी जी ने इस चुनौती पर विजय पाई। ऐसा अक्सर नहीं होता। मौन और गीत एक साथ नहीं होते। अध्यात्म और राजनीति साथ साथ नहीं सधते। कभी कभी अनायास ऐसा होता है और बहुधा संकल्पबद्ध प्रयास से ही। तब वैचारिक निष्ठा और संकल्पबद्ध प्रयास के कारण शब्दों के अर्थ बदल जाते हैं। अंग्रेजी भाषा का चलताऊ शब्द है–बुलडोजर। इस शब्द का अर्थ है एक साधारण उपकरण। योगी जी के शासन के प्रभाव में इस शब्द का अर्थ बदल गया है। अब इसका अर्थ है कड़ी कानून व्यवस्था। अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस। कानून व्यवस्था स्थापित करने की योगी शैली का उल्लेख अन्य राज्यों में भी हो रहा है। अपराधी दहशत में है या जेल में।

संकल्प में ऊर्जा होती है। अथर्ववेद में दृढनिश्चयी व्रात्य की गति बताई गई है, "वह उठकर खड़ा हुआ। पूरब की ओर चला। बृहत साम रथन्तर साम गान उसके पीछे चले। उसकी कीर्ति बढ़ी। वह दक्षिण की ओर चला। रिद्धि, सिद्धि और समृद्धि उसके साथ चली। वह उत्तर दिशा की ओर चला। दिव्य शक्तियां उसके साथ चली। वह अविचल खड़ा रहा। देव शक्तियों ने उसे आसन दिया। उसने ध्रुव दिशा की ओर गति की। भूमि और वनस्पतियां उसके अनुकूल हो गईं। उसने काल गति का अतिक्रमण किया। काल ने उसका अनुसरण किया। वह दृढ़निश्चयी होकर चलता रहा। इतिहास, गाथा और पुराण उसके साथ हो गए–इतिहास च पुराणं च गाथाश्च अनुव्य चलं। "ऐसा सब कुछ गहन निष्ठा व संकल्पबद्ध प्रयास से ही संभव होता है। योगसिद्ध योगी चुनौती देता है नियति को। हठयोग और राजयोग मिल जाते हैं। लोकमंगल उपास्य हो जाता है। तब ग्रहों की दिशा बदल जाती है। लोकमंगल की वीणा के तार छंद गाने लगते हैं और राजनीति आध्यात्म हो जाती है और अध्यात्म हो जाता है जनसेवा का राष्ट्रधर्म।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व लोकलुभावन है। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में योगी का काम काज चर्चा का विषय रहता है। वे उत्तर प्रदेश को बदलने के लिए दिन रात परिश्रम करते हैं। राजनीति में वे अनूठे हैं। संतों में त्यागी संत, निर्लिप्त योगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व लोकलुभावन है। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में योगी का काम

काज चर्चा का विषय रहता है। वे उत्तर प्रदेश को बदलने के लिए दिन रात परिश्रम करते हैं। राजनीति में वे अनूठे हैं। संतों में त्यागी संत, निर्लिप्त योगी। जल में रस और रसना में मधु जैसे। योगी जी विचारनिष्ठ साधारण कार्यकर्ता हैं और असाधारण राजनेता। साधारण से असाधारण हो जाना परिश्रम से सम्भव है। लेकिन असाधारण होकर भी व्यवहार में साधारण बने रहना बहुत श्रम तप मांगता है। योगी जी ने इस साधना में योग सिद्धि पाई है। उत्तर प्रदेश बदल रहा है। निराशा उल्लासजनक आशा में बदल गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताएं उनकी प्राथमिकताएं हैं। आमजनों से योगी जी का संवाद आत्मभाव बढ़ाता है। सबको प्रभावित करता है। बड़ी जनसभाओं में भी उनके वक्तव्य सुगठित होते हैं और जनसमूह के हृदय में अखण्ड विश्वास का सृजन करते हैं।

कौटिल्य ने विश्व प्रसिद्ध 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रंथ के प्रारम्भ में चार विद्याएं बताई हैं। आन्वीक्षिकी पहली विद्या है। त्रयी दूसरी, वार्ता तीसरी और दण्डनीति चैथी विद्या है। आन्वीक्षिकी में सांख्य, योग और लोकायत दर्शन हैं। त्रयी में तीन वेद आते हैं। वार्ता में कृषि, पशुपालन और व्यापार। दण्डनीति चैथी है। कौटिल्य के पहले के प्राचीन राजनीतिक चिन्तकों ने दण्ड को राज्य का आधार बताया है। कौटिल्य ने भी दण्डनीति को अनिवार्य बताया है। राज्य की दण्डनीति सुस्पष्ट है। विधान सर्वोपरि है। कानून का राज है। कानून व्यवस्था के लिए आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज में भी पुलिस आयुक्त प्रणाली का विस्तार हुआ है। लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर और वाराणसी में पहले से यह प्रणाली है।

सरकार की नीति, रीति और दृष्टिकोण पर मुख्यमंत्री को कोई चुनौती नहीं दे सकता। वे राज समाज की सभी चुनौतियों का समाधान देते हैं। भारतीय चिन्तन के अनुसार किसी भी कार्य से पहले विचार का जन्म होता है। विचार के क्रियान्वयन से काम सफल होता है। उनके विचार सुस्पष्ट हैं। योगी शासन की गतिशीलता में विचार की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उत्तर प्रदेश लगभग 25 करोड़ जनसँख्या वाला विशाल राज्य है। विशाल जनसँख्या वाले राज्य में अनेक विविधताएं भी हैं। उत्तर प्रदेश उभरती अर्थव्यवस्था है। राजधानी लखनऊ में प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ से ज्यादा की लगभग 14000 परियोजनाओं का शुभारम्भ किया है। इससे लगभग 34 लाख रोजगारों के अवसर की संभावनाएं हैं। इसके पहले बीते साल फरवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। योगी जी के सन्दर्भ में राष्ट्रवाद जन गण मन की एकीकृत सांस्कृतिक शक्ति है। ऋग्वेद के अनुसार अच्छा श्रोता ही मूल तत्व तक पहुँचता है। यहाँ 25 करोड़ की आबादी का भाग्य ही मूल तत्व है।

उत्तर प्रदेश का स्वाभिमान बढ़ा है। आगरा, लखनऊ, वाराणसी और गौतमबुद्धनगर में जी 20 की बैठकें हुईं। इससे प्रदेश के विकास, बुनियादी ढाँचे तथा सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक समुदाय के सामने प्रस्तुत करने का मौका मौका मिला। प्रदेश को 10 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पीएम के 5–टी टैलेंट, ट्रेडिशन, ट्रेड, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी पर अमल करते हुए नियोजित पहल हुई। एक जिला एक उत्पाद की प्रशंसा होती है। अब हर जिले में एक मेडिकल कालेज की स्थापना पर काम चल रहा है। 65 मेडिकल कालेज संचालित हैं और 22 निर्माणाधीन हैं। एक मण्डल एक विश्वविद्यालय की पहल स्वागत योग्य है। असेवित मण्डल देवीपाटन में माँ पाटेश्वरी देवी, मिर्जापुर में माँ विंध्यवासिनी देवी और मुरादाबाद में नए राज्य विश्वविद्यालय व कुशीनगर में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा प्रशंसनीय है।

डबल इंजन की सरकार वाकई उत्तर प्रदेश में रंग ला रही है। योगी जी अपने वक्तव्यों में पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हैं। डबल इंजन की सरकार की महत्ता बताते हैं। राज्य सरकार की लोककल्याण की प्रतिबद्धता राज्य के कोने कोने चर्चा का विषय है। राज्य सरकार ने अपनी साधना के बल पर राजनीति को आध्यात्मिक दर्शन से जोड़ दिया है। 2017 से लेकर अब तक के अवसर का खूबसूरत इतिहास है। यह जितना लम्बा है उतना ही गहरा भी। आशा, उल्लास का उत्सव है सब तरफ।

इंडी पर भारी पड़ी मोदी की 'काशी यात्रा'

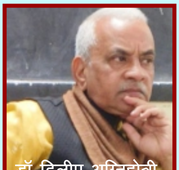
डॉ दिलीप अग्निहोत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की काशी यात्रा के कई रोचक संदर्भ है। वह अयोध्या धाम में श्री राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के एक माह पूरे होने पर काशी पहुँचे। इसके पहले उन्होंने मेहसाणा गुजरात में एक मन्दिर का उद्घाटन किया। करीब चैदह सौ करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का शुभारंभ किया। इसी प्रकार काशी को भी करीब चौदह सौ करोड़ रुपए की सौगात मिल रही है। स्पष्ट है कि मोदी विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर चल रहे हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी भी काशी आए थे। उन्हें जो दिखाई दिया, उसी को काशी की छवि से जोड़ दिया। मतलब उन्हें विरासत का सम्मान स्वीकार नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने मौजूदा कालखंड को भारत की विकास यात्रा के लिए अहम बताते हुए कहा कि ये ऐसा समय है, जब देव काज भगवान का काम और देश काज देश का काम दोनों ही बहुत तेज गति से हो रहे हैं। मोदी ने 22 फ़रवरी को ही गुजरात के मेहसाणा में वलीनाथ धाम मंदिर का उद्घाटन किया। मेहसाणा में करीब चौदह सौ करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला रखी। एक महीने पहले 22 जनवरी को याद किया, जब उन्हें अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। मोदी ने कहा कि जब भव्य राम मंदिर बन गया है तो नकारात्मकता में जीने वाले लोग नफरत का रास्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं। हमारे यहां मंदिर सिर्फ देवालय या पूजा पाठ करने की जगह नहीं बल्कि ये हमारी हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक हैं। हमारे यहां मंदिर देश और समाज को अज्ञान से ज्ञान की तरफ ले जाने के माध्यम रहे हैं। भारत की विकास यात्रा में ये एक अद्भुत कालखंड है। ये एक ऐसा समय है, जब देवकाज हो या फिर देश काज, दोनों तेज गति से हो रहे हैं। देवसेवा भी हो रही है और देशसेवा भी हो रही है। आजाद भारत में लंबे समय तक विकास और विरासत के बीच टकराव पैदा किया गया। इसके लिए अगर कोई दोषी है तो वही कांग्रेस है, जिन्होंने दशकों तक देश पर शासन किया। "वही लोग हैं, जिन्होंने सोमनाथ जैसे पावन स्थल को भी विवाद का कारण बनाया। ये वही लोग हैं, जिन्होंने पावागढ़ में धर्मध्वजा फहराने की इच्छा तक नहीं दिखाई। ये वही लोग हैं, जिन्होंने दशकों तक मोढ़ेरा के सूर्य मंदिर को भी वोटबैंक की राजनीति से जोड़कर देखा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व पर भी सवाल उठाए, उनके मंदिर निर्माण को लेकर रोड़े अटकाए। मोदी की गारंटी का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाना है। उन्होंने हाल ही में सवा लाख घरों के समर्पण और शिलान्यास किया। चार करोड़ से अधिक गरीबों को आवास मिले. अस्सी करोड़ नागरिकों के लिए मुफ्त राशन भगवान का प्रसाद और दस करोड़ नए परिवारों के लिए पाइप से पानी अमृत मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र 22 फ़रवरी की रात अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे। उन्होंने बनारस रेल इंजन कारखाना तक लगभग तीस किलोमीटर की यात्रा सड़क मार्ग से की। इस बीच फुलवरिया फोरलेन के दूसरे छोर पर स्थित लहरतारा रेलवे ओवरब्रिज पर उनका काफिला रुका। नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने सड़क और पूल का निरीक्षण किया। लोगों ने हर–हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ कहा कि 'विकसित भारत' के संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर दृढ़ता के साथ क्रियाशील हैं। उसी कड़ी में वह कल वाराणसी जनपद में करीब चौदह करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न लोक कल्याणकारी विकास परियोजनाओं की सौगात मिल रही है।

शिक्षा, सड़क, उद्योग, पर्यटन, वस्त्र और स्वास्थ्य क्षेत्रों से जुड़ी ये परियोजनाएं 'विकसित भारत' के 'विकसित उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की सिद्धि में अत्यंत सहायक होंगी।

जबकि राहुल गांधी का कहना था कि जब वे वाराणसी दौरे पर थे तब उन्होंने रात में लोगों को सड़क पर शराब के नशे में नाचते हुए देखा। साथ ही उन्होंने कहा कि रात को यूपी का भविष्य शराब के नशे में नाचते हुए देखा। राम मंदिर को आपको नरेंद्र मोदी दिखेगा.अंबानी दिखेगा। आडनी दिखेगा। हिंदूस्तान के सारे अरबपति दिखेंगे। आपको एक भी पिछड़े जाति के लोग और आदिवासी नहीं दिखेंगे क्योंकि इनका सड़क पर भीख मांगने का है और उनका काम पैसा गिनने का है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गोरखपुर में कहा कि यूपी में केंद्र की सभी योजनाओं को योगी आदित्यनाथ प्रभावी रूप में क्रियान्वित करते

हैं. निर्मला सीतारमण ने अर्थशास्त्र की शैली में योगी आदित्यनाथ को डायनामिक बताया। केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में जितने भी प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं, उनमें प्रधानमंत्री के साथ ही, प्रदेश के डायनमिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी योगदान है। उत्तर प्रदेश में पचहत्तर जनपद हैं। एक वर्ष में बावन सप्ताह होते हैं। मुख्यमंत्री एक वर्ष में हर जनपद में कम से कम एक बार और कई जनपदों में दो बार भी जाते हैं। सभी पचहत्तर जनपदों में कम से कम एक बार जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। वह प्रदेश के सभी जनपदों में यात्रा कर विकास कार्यो की निगरानी करते हैं, इसलिए ये एक गतिशील डायनमिक मुख्यमंत्री है। लखनऊ में इनका अप्वाइंटमेण्ट मिलना मुश्किल है। मुख्यमंत्री प्रत्येक जनपद को मुख्यालय मानकर डायनमिक तरीके से निरन्तर गतिशील रहते हुए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का शासन चला रहे हैं। योगी आदित्यनाथ तथा निर्मला सीतारमण ने गोरखपुर में नवनिर्मित प्रत्यक्ष कर भवन का लोकार्पण किया। निर्मला सीतारमन के कथन इसी दिन प्रमाणित भी हुआ. योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में प्रत्यक्ष कर भवन का लोकार्पण किया. इसके पहले गोरखपुर में ही औद्योगिक विकास प्राधिकरण गीडा गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की बीस विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया. इसके बाद योगी आदित्यनाथ काशी रवाना हो गए. गोरखपुर में उन्होंने कहा कि देश में घोषित दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में से एक उत्तर प्रदेश को दिया था। प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के छह नोड विकसित हो रहे है। इसमें बड़ी मात्रा में निवेश भी आया है। इसके माध्यम से सुरक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिल रही है. गंगा एक्सप्रेस–वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ने का एक माध्यम है. लगभग छह सौ किमी लम्बे इस एक्सप्रेस–वे में निवेश को प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रयागराज में आगामी महाकुम्भ से पहले गंगा एक्सप्रेस–वे को राष्ट्र को सर्मिपत करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।आज देश का अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्तर प्रदेश में मौजूद है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार निवेश में बैंको का सर्वाधिक योगदान देश में उत्तर प्रदेश को मिला है। आज राज्य में बिजनेस बढ़ रहा है। प्रदेश का सीडी.रेशियो चवालिस प्रतिशत से बढ़कर साठ प्रतिशत के करीब पहुंच चुका है। अगले वित्तीय वर्ष में इसे पैसठ प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया गया है। उत्तर प्रदेश में आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या भी बढ़ी है। सात वर्ष पहले डेढ़ लाख से कम लोग आईटीआर भरते थे, आज यह संख्या बढ़कर बारह लाख से अधिक हो चुकी है। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के एक माह की अवधि में पैसठ लाख श्रद्धालु आए हैं। इनके आगमन से वहां व्यापार बढ़ा है। आज वहां व्यवसाय करीब दो गुना तक बढ़ गया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी विश्वनाथधाम देश को निर्णायक भविष्य की ओर ले जाने को तैयार है। उन्होंने काशी सांसद संस्कृत प्रतियोगिता, ज्ञान प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया. शिवमंत्र का उच्चारण करते हुए नरेंद मोदी ने कहा कि कालातीत काशी सर्वविद्या की राजधानी है। आज काशी का सामर्थ्य स्वरूप फिर से संवर रहा है। यह पूरे भारत के लिए गौरव की बात है।

जिस काशी को समय से भी प्राचीन कहा जाता है, जिसकी पहचान को युवा पीढ़ी जिम्मेदारी से सशक्त कर रही है। ये दृश्य हृदय में संतोष भी देता है, गौरव की अनुभूति भी कराता है और यह विश्वास भी दिलाता है कि अमृतकाल में सभी युवा देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।काशी के बाद अब अयोध्या भी निखर रही है। जिस तरह वेदों का पाठ काशी में होता है इस संस्कृत में हमें कांची में सुनाई देना पड़ता है, जिन्होंने हजारों वर्षो से भारत को राष्ट्र के रूप में एक बनाए रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश सफलता के नए कीर्तिमान करेगा। यह मोदी की गारंटी है। गारंटी पूरा होने की गारंटी है। बीएचयू पहुंचे प्रधानमंत्री का स्वागत शंखध्वनि और पुष्पवर्षा के बीच किया गया।राह लोग प्रधानमंत्री के काफिले को देख हर–हर महादेव के उद्घोष के साथ मोदी–मोदी का नारा लगाते रहे।

सीर गोवर्धन स्थित रविदास मंदिर में उन्होंने संत रविदास की प्रतिमा और म्यूजियम का लोकार्पण किया.नरेंद्र मोदी ने संत रविदास की शिक्षा का उल्लेख किया।

'जात पात के फेर मंहि, उरझि रहइ सब लोग।
मानुषता कूं खात हइ, रैदास जात कर रोग।'

अर्थात ज्यादातर लोग जातपात के फेर में उलझे और उलझाते रहते हैं। यह रोग मानवता का नुकसान करता है। संतों की वाणी हमें रास्ता भी दिखाती है और सावधान भी करती है। देश को जाति के नाम पर उकसाने और लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलितों वंचितों के लिए हर योजना का विरोध करते हैं और जाति के नाम पर अपने परिवार के स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं। परिवारवादी पार्टी अपने परिवार के बाहर किसी दलित और आदिवासी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। देश में पहली आदीवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का किन किन लोगों ने विरोध किया था, ये हर कोई जानता है। ये सब वही परिवारवादी पार्टियां हैं, जिन्हें चुनाव के वक्त दलित की याद आने लगती है। हमें इनसे सावधान रहना होगा। हमारी सरकार की नीयत गरीबों, वंचितों, पिछड़ा और दलितों के लिए साफ है। संत रविदास जी की जन्मस्थली के विकास के लिए कई करोड़ की योजनाओं का आज शुभारंभ हो रहा है। मंदिर तक आने–जाने वाली सड़कों, इंटरलॉकिंग ड्रेनेज सिस्टम, संत्संग भवन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए अलग अलग सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक सुख तो मिलेगा ही कई अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी।

समान नागरिक संहिता

रमेश शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों के जमाने के उन कानूनों को बदलने का अभियान चलाया हुआ है जो या अब अनुपयोगी हो गये हैं अथवा भारतीय समाज में विभेद पैदा करने वाले हैं। यूसीसी लागू होने के बाद भारत में सभी नागरिकों को समान सामाजिक अधिकार प्राप्त होगें। विशेषकर उन वर्ग समूहों में भी महिलाओं को सम्मान और विकास के समान अवसर मिलेगें जिनमें महिलाओं का शोषण की सीमा तक उपेक्षा होती है।

मोदी सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के कानूनों को समाप्त करने का अभियान छेड़ा हुआ है। अंग्रेजी के कोई दो सौ कानून ऐसे हैं जो स्वतंत्रता सतहत्तर वर्ष बीत जाने के बाद भी लागू हैं। इनमें से एक सौ पैंतीस ऐसे कानूनों समाप्त कर दिया है जिनके उपयोग की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी अभियान के अंतर्गत अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में यूसीसी लागू करने की घोषणा की है। इसकी शुरुआत उत्तराखंड से हो गई। यह कानून भारतीय सामाज जीवन के उस विसंगति को दूर करने वाला है जो अंग्रेजों ने भारतीय समाज में विभेद पैदा करने केलिये लागू किया था।

यूसीसी यनि यूनीफॉर्म सिविल कोड अर्थात समान नागरिक संहिता। यह कानून अब देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर देगा। विशेषकर उन महिलाओं के सम्मान और अधिकार की रक्षा होगी जिन परंपराओं पुरुष वर्चस्व का चलन है। कोई कल्पना कर सकता है किसी एक देश में, एक संविधान के अंतर्गत अलग अलग वर्गों में महिलाओं के लिये अलग अलग प्रावधान हों। कुछ समाज और परंपरा में महिलाओं को तलाक के साथ गुजारा भत्ता तक की गारंटी न हो और कुछ अपने पूरे अधिकार लेकर सम्मान जनक जीवन की राह बना सकें।

विभेद से भरे यह कानून अंग्रेजी शासन में बने थे जो स्वतंत्रता की तीन चौथाई शताब्दी बीत जाने के बाद भी यथावत हैं। ऐसे कानून लागू करने के पीछे अंग्रेजों का अपना उद्देश्य था। वे भारतीय समाज में विभेद पैदा करना चाहते थे। हिन्दू और मुसलमानों के बीच अलगाव बनाये रखना चाहते थे। इसलिये उन्होंने हिन्दू और मुसलमानों के लिये अलग अलग कानून बनाये। एक के लिये मुस्लिम पर्सनल लॉ और दूसरे के लिये हिन्दू कोड बिल बनाया। इन कानूनों में समानता नहीं थे। अंग्रेजों ने हिन्दुओं को सामाजिक और धार्मिक अधिकार कम दिये और मुसलमानों को थोड़ा अधिक थे। लेकिन यह विभेद सब स्थानों में लागू नहीं था केवल सामाजिक कानूनों में थे। दंड संहिता में नहीं और धार्मिक कानूनों में था। अपराध नियंत्रण के लिये तो सबके लिये समान दंड संहिता लागू की ताकि सभी वर्गों और धर्मों के लोगों पर उनका वर्चस्व बना रहे। कुटिलता और दूरदर्शिता में अंग्रेजों का कोई मुकाबला नहीं था।

अपनी राज सत्ता को मजबूत करने केलिये "फूट डालो और राज करो" उनका मुख्य सूत्र था। इसलिये दंड संहिता में समानता के साथ समाज नीति में फूट डालना उन्हे अपना हित लगा। इसका पूरा लाभ मुस्लिम समाज ने उठाया उन्होंने न केवल मुस्लिम पर्सनल लॉ में अपने लिये पुरुष प्रधानता के कुछ विशेषाधिकार लिये अपितु लोकल असेम्बलियों के स्थानीय चुनाव में कुछ विशेषाधिकार भी लिये इससे उनका राजनैतिक वर्चस्व भी बना।

विभेद से भरे सामाजिक कानून से जहाँ संपूर्ण भारतीय समिज समरस नहीं हो पाया अपितु मुस्लिम समाज के पुरुषों को कुछ ऐसे अधिकारों को भी कानूनी मान्यता मिल गई जिससे महिलाओं पर मनोवैज्ञानिक दबाब बना रहा। जैसे पुरुष एक से अधिक विवाह कर सकता था और कभी भी तीन बार तलाक तलाक कहकर सरलता से विवाह तोड़ सकता था। तब ऐसी तलाक शुदा महिला को पर्याप्त भर पोषण की गारंटी तक नहीं थी। यही सब मुस्लिम पर्सनल लॉ में है।

भारत में यह मुस्लिम पर्सनल लॉ 1937 में ही अस्तित्व में आया था। इसी में तीन विवाह, तीन तलाक, हलाला, उत्तराधिकार आदि प्रावधान लागू किये गये। इसे लागू कर ऐसा प्रचार किया गया मानों यह कोई धार्मिक अनिवार्यता है। धार्मिक अनिवार्यता सदैव धार्मिक कार्यों और परंपरा की होतीं हैं। सामाजिक नियम तो समाज की व्यवस्था और संचालन के लिये होते हैं जो देशकाल और परिस्थिति के चलते बदल जाते हैं।

देश काल और परिस्थिति के बदल जाने से ही तो मुस्लिम समाज ने अपने पारंपरिक दंड विधान में बदलाव स्वीकार करके समान दंड संहिता स्वीकार कर ली थी। यह ठीक है कि मुस्लिम समाज में एक से अधिक विवाह और तलाक की परंपरा रही है। इसी का कानूनी स्वरूप स्वीकार किया गया। लेकिन बहु विवाह और विवाह विच्छेद की परंपरा तो हिन्दू समाज में भी रही है। पर हिन्दू कोड बिल में हिन्दुओं को बहु विवाह को क्यो सीमित किया। विवाह विच्छेद के नियम भी कठोर बनाये गये। इस प्रावधान से भी भारत में धर्मान्तरण को बल मिला। हरियाणा के एक राजनेता का उदाहरण है कि एक पत्नि के रहते हुये दूसरी शादी की सुविधा प्राप्त करने केलिये ही धर्मान्तरण कर लिया था।

स्वतंत्रता के बाद अंग्रेज चले गये, रियासतों भी समाप्त हो गई पर यह विभेद सहित तमाम कानून यथावत रहे। अब वर्तमान सरकार ने इन्हें बदलकर संपूर्ण राष्ट्र को एक समरस स्वरूप देने का अभियान चलाया है। ऐसा भी नहीं ऐसा प्रयास पहली बार हो रहा है। राष्ट्र के समरस स्वरूप और समान आचार संहिता की बाद स्वतंत्रता के साथ समय समय पर उठती रही है लेकिन तत्कालीन सरकारों की राजनैतिक इच्छा शक्ति के अभाव और तुष्टीकरण की मानसिकता के चलते यह लागू न हो सका। संविधान सभा में बाबा साहब अंबेडकर ने बहुत स्पष्ट शब्दों में अंग्रेज द्वारा लागू किये गये असमान कानूनों की विसंगतियों को स्पष्ट किया था। उनकी भावना के अनुरूप संविधान के अनुच्छेद–44 के अंतर्गत भारत के सभी नागरिकों पर एक समान अधिकार तो स्वीकार कर लिये गये। लेकिन एक अन्य प्रावधान में धार्मिक मान्यताओं के बहाने अलगाव बनाये रखने का मार्ग बना लिया गया । इसी के चलते कुछ पंथों में महिलाओं की दयनीय स्थिति बनी रही।

इसे विडम्बना ही माना जायेगा कि स्वतंत्रता के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी कुछ वर्गों में महिलाएँ अपने समानता के अधिकार से वंचित हैं। इनके साथ उन बच्चों के भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह लग जाता है जिनके माता पिता के बीच तलाक हो जाता है। इस विसंगति पर अनेक बार संसद में विषय उठा और 1985 में शाहबानू गुजारा भत्ता प्रकरण में अपना फैसला देते हुये सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई थी कि समान नागरिक अधिकार देने वाला अनुच्छेद मृतप्राय रह गया है। इस प्रकार संविधान सभा, संसद और सुप्रीम कोर्ट में चर्चा होने के बाद भी समान नागरिक अधिकार संहिता लागू न हो सकी और अलगाव बना रहा। यह अलगाव तब भी न हट सका जब संविधान ने सेकुलर सिद्धांत स्वीकार कर लिया। कहने के लिये भारत का संविधान सेकुलर है किन्तु अलग अलग पंथ के नागरिकों केलिये अलग अलग अधिकार देने वाले कानून बने रहे। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दृढ़ता दिखा रहे हैं । उन्होंने स्पष्ट रूप से समान नागरिक आचार संहिता लागू करने की घोषणा की है। उनके संकल्प को पूरा करने केलिये उत्तराखंड सरकार ने पहल भी कर दी है। वहाँ यह लागू हो गया और अब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश राजस्थान, गुजरात आदि अनेक प्रांतों ने भी लागू करने की घोषणा कर दी है।

वहीं कुछ राज्यों ने इसे लागू नहीं करने की घोषणा भी है। कौन सा राज्य लागू करेगा और कौन सा नहीं यह विषय तो भविष्य के गर्भ में पर भारत में एक राज्य गोवा ऐसा भी है जहां यूसीसी कानून स्वतंत्रता के पहले से लागू है। यह राज्य गोवा है। स्वतंत्रता से पहले गोवा में अंग्रेजों का नहीं पुर्तगालियों का शासन था। वहाँ सभी के लिये समान अधिकार वाला कानून लागू था। गोवा जब स्वतंत्र भारत का अंग बना तो गोवा को विशेष राज्यस का दर्जा देकर यह नियम यथावत रहा। वहाँ सभी धर्मों के लोगों कलिये समान अधिकार हैं सब पर एक ही कानून लागू होता है। गोवा में कोई ट्रिपल तलाक नहीं दे सकता, बिना पंजीयन के किसी भी विवाह को कानूनी मान्यता नहीं है, पारिवारिक संपत्ति पर पति–पत्नीह का समान अधिकार प्राप्त हैं और न्यायालय के बिना तलाक को मान्यता नहीं। और माता पिता संपत्ति की संपत्ति पर बच्चों नैसर्गिक अधिकार प्राप्त है। अब यही प्रावधान पूरे देश में लागू होगा। मोदी सरकार संविधान अनुच्छेद 44 प्रभावी बना रही है जिससे हर धर्म, जाति, संप्रदाय और वर्गों के लिए पूरे देश में एक ही नियम लागू होंगे। सभी धर्म समुदायों में विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने के नियम एक ही होंगे। अब नये प्रावधानों के अनुसार पत्नी की मौत के बाद पत्नि के अकेले माता–पिता की देखभाल का दायित्व भी पति का होगा। इस कानून के अंतर्गत अब मुस्लिम महिलाओं को भी बच्चो गोद लेने का अधिकार मिल जाएगा और हलाला और इद्दत से पूरी तरह से छुटकारा मिल जाएगा। लिव–इन रिलेशन में रहने वाले सभी लोगों को पंजीयन कराना होगा। इस प्रावधान से यह विसंगति समाप्त होगी जिसमें लिव इन में रहने वाले जोड़े झगड़ा होने पर बलात्कार का मुकदमा दर्ज करा देतीं हैं। पति और पत्नीव में परस्पर विवाद होने पर बच्चे की कस्टतडी दादा–दादी या नाना–नानी में से किसी को भी दी सकती है। इससे अनाथ होने पर परिवार में अभिभावक बनने की प्रक्रिया सरल हो जाएगी। हालांकि वनवासी समाज, नगालैंड, मेघालय और मिजोरम जैसे प्रांतोंमें स्थाकनीय रीति रिवाजों को मान्यता रहेगी। कानूनी अधिकार समान होंगे। इस तरह समान नागरिक आचार संहिता लागू होने से जहाँ सामाजिक अधिकार की असमानता दूर होगी वहीं सभी वर्ग की महिलाओं को सम्मान और विकास के समान अवसर मिलेंगे बच्चों के भविष्य की सुरक्षा होगी और लिव इन की विसंगतियाँ भी दूर होंगी और सबसे बड़ी बात भारत अंग्रेजों के जमाने में खींची गई विभेद की रेखा भी समाप्त होगी।

सामाजिक-धार्मिक सुधारों के अग्रदूत थे रविदास - तरुण चुग

तरुण चुग

गुरु रविदास जी मध्यकाल के एक ऐसे महान भारतीय संत थे, जिन्होंने सामाजिक और धार्मिक सुधारों के लिए अद्वितीय कार्य करते हुए लोगों को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। इन्हें संत शिरोमणि सतगुरु की उपाधि दी गई। आज भी सन्त रविदास जी के उपदेश समाज के कल्याण तथा उत्थान के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने आचरण तथा व्यवहार से यह प्रमाणित कर दिया कि विचारों की श्रेष्ठता, समाज के हित की भावना से प्रेरित कार्य तथा सद्व्यवहार जैसे गुण ही मनुष्य को महान बनाने में सहायक होते हैं। इन्हीं गुणों के कारण सन्त श्री रविदास जी को अपने समय के समाज में अत्यधिक सम्मान मिला और इसी कारण आज भी लोग इन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं। गुरू रविदास जी के ४० पद श्री गुरु ग्रन्थ साहब में मिलते हैं, जिसका सम्पादन गुरु अर्जुन साहिब ने १६ वीं सदी में किया था।

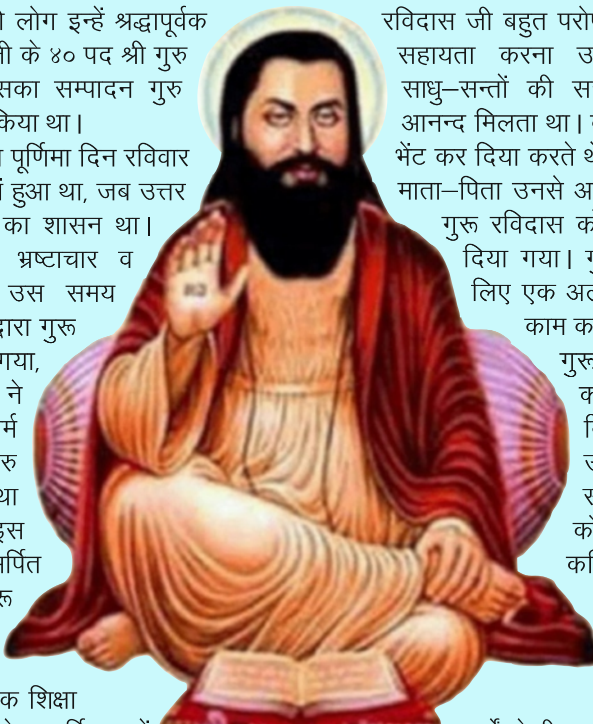

गुरू रविदास जी का जन्म माघ पूर्णिमा दिन रविवार को संवत 1377 को ऐसे समय में हुआ था, जब उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन था। चारों ओर अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। उस समय मुस्लिम शासक सिकंदर लोधी द्वारा गुरू रविदास को प्रताड़ित किया गया, जेल में डाला गया, लेकिन उन्हों ने कहा प्राण दें दूं, पर धर्म ना दूं। धर्म परिवर्तन नहीं किया। गुरु रविदास जी के परिवार की आस्था श्रीमद् भागवत पर थी। उन्होंने इस के उद्धार के लिए जीवन को समर्पित कर दिया था। बचपन से ही गुरू रविदास जी को धर्म और आध्यात्मिक विषयों में रुचि थी और उनकी माँ उन्हें घर में धार्मिक शिक्षा देती थीं। उन्होंने अपनी माँ से अनेक धार्मिक बातें सीखीं और जीवन के दौरान कई धर्म ग्रंथों को अध्ययन किया था। गुरु रविदास जी के परिवार का जीवन गरीबी और संकट से भरा हों, जीवन का बड़ा हिस्सा भगवान श्रीराम की भक्ति में गुजरा। उनके घर पर श्रीरामायण की पाठशाला चलती थी, जहाँ वे भगवान श्रीराम की कथाएँ सुनते थे। इससे वे राम के भक्त बन गए थे और उनकी श्रद्धा भगवान श्रीराम की ओर बढ़ती गई। उनका एक दोहा प्रचलित है। चौदह सौ तैंतीस कि माघ सुदी पन्दरास।

गुरू रविदास उन्हें पंजाब में कहा गया, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से जाना जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'रुइदास' कहते हैं। कई पुरानी पांडुलिपियों में उन्हें रायादास, रेदास, रेमदास और रौदास के नाम से भी जाना गया है। गुरू रविदास जी वंश के व्यवसाय के अनुरूप जूते बनाते थे और शेष समय ईश्वर–भजन तथा साधु–सन्तों के सत्संग में व्यतीत करते थे। ऐसा करने में उन्हें बहुत खुशी मिलती थी और वे पूरी लगन तथा परिश्रम से अपना कार्य करते थे और समय से काम को पूरा करने पर बहुत ध्यान देते थे। उनकी समयानुपालन की प्रवृति तथा मधुर व्यवहार के कारण उनके सम्पर्क में आने वाले लोग प्रसन्न रहते थे। प्रारम्भ से ही गुरु रविदास जी बहुत परोपकारी तथा दयालु थे, दूसरों की सहायता करना उनका स्वभाव बन गया था। साधु–सन्तों की सहायता करने में उनको विशेष आनन्द मिलता था। वे उन्हें प्रायः मूल्य लिये बिना जूते भेंट कर दिया करते थे। उनके स्वभाव के कारण उनके माता–पिता उनसे अप्रसन्न रहते थे। कुछ समय बाद गुरू रविदास को पत्नी के साथ घर से निकाल दिया गया। गुरू रविदास पड़ोस में ही अपने लिए एक अलग झोपडी बनाकर व्यवसाय का काम करते थे ।

गुरू रविदास जी अपनी जीवनगाथा को कविताओं के माध्यम से व्यक्त किया करते थे। रविदास जी के उपदेश धार्मिक के साथ–साथ सामाजिक भी थे। समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए अपनी कविताओं का उपयोग किया। उन्होंने अपने जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। समाज को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच धर्म के महत्व को बताया और लोगों को धर्म के उच्च मानकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। रविदास जी ने उपदेशों के आधार पर बुद्धि और ज्ञान की महत्वपूर्ण बात की तथा शिक्षा के महत्व को बताया और अपने समाज को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए अपने उपदेशों के माध्यम से समाज को एक समान व समझदार समाज बनाने का संदेश दिया। उन्होंने अपनी कविताओं में जाति व्यवस्था, भ्रष्टाचार और बेटियों के सम्मान के बारे में बताया।

गुरू रैदास ने ऊँच–नीच की भावना तथा ईश्वर–भक्ति के नाम पर किये जाने वाले विवाद को सारहीन तथा निरर्थक बताया और सबको परस्पर मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहने का उपदेश

दिया। वे स्वयं मधुर तथा भक्तिपूर्ण भजनों की रचना करते और उन्हें भाव–विभोर होकर सुनाते थे।

उनका विश्वास था कि ईश्वर की भक्ति के लिए सदाचार, परहित–भावना तथा सद्व्यवहार का पालन करना अत्यावश्यक है। अभिमान त्याग कर दूसरों के साथ व्यवहार करने और विनम्रता तथा शिष्टता के गुणों का विकास करने पर उन्होंने बहुत बल दिया। अपने एक भजन में उन्होंने कहा है–

कह रैदास तेरी भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक हवै चुनि खावै॥

उनके विचारों का आशय यही है कि ईश्वर की भक्ति बड़े भाग्य से प्राप्त होती है। अभिमान शून्य रहकर काम करने वाला व्यक्ति जीवन में सफल रहता है जैसे कि विशालकाय हाथी शक्कर के कणों को चुनने में असमर्थ रहता है जबकि लघु शरीर की पिपीलिका (चींटी) इन कणों को सरलतापूर्वक चुन लेती है। इसी प्रकार अभिमान तथा बड़प्पन का भाव त्याग कर विनम्रतापूर्वक आचरण करने वाला मनुष्य ही ईश्वर का भक्त हो सकता है। गुरू रैदास की वाणी भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम से ओत–प्रोत होती थी। इसलिए उसका श्रोताओं के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता था। उनके भजनों तथा उपदेशों से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी, जिससे उनकी शंकाओं का सन्तोषजनक समाधान हो जाता था और लोग स्वतः उनके अनुयायी बन जाते थे।

उनके जीवन की छोटी–छोटी घटनाओं से समय तथा वचन के पालन सम्बन्धी उनके गुणों का पता चलता है। एक बार एक पर्व के अवसर पर पड़ोस के लोग गंगा–स्नान के लिए जा रहे थे। गुरू रैदास के शिष्यों में से एक ने उनसे भी चलने का आग्रह किया तो वे बोले, गंगा–स्नान के लिए मैं अवश्य चलता किन्तु । गंगा स्नान के लिए जाने पर मन यहाँ लगा रहेगा तो पुण्य कैसे प्राप्त होगा? मन जो काम करने के लिए अन्तःकरण से तैयार हो वही काम करना उचित है। मन सही है तो इसे कठौते के जल में ही गंगास्नान का पुण्य प्राप्त हो सकता है। कहा जाता है कि इस प्रकार के व्यवहार के बाद से ही कहावत प्रचलित हो गयी कि – मन चंगा तो कठौती में गंगा।

गुरु रविदास जी के विचार धर्म, समाज और मानवता से जुड़े थे। उन्होंने समाज में असमानता, भेदभाव, जातिवाद, उत्पीड़न, उच्छृंखलता और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उनके विचारों में धर्म और समाज के संबंधों का विस्तारपूर्वक उल्लेख और श्रद्धा, सेवा, समानता, संयम, आदर्शों का पालन, प्रेम, एकता और समझौता शामिल हैं। उन्होंने लोगों को यह भी समझाया कि धर्म और संतों के बिना कोई भी जीवन पूर्ण नहीं हो सकता। समाज को जागरूक करने के लिए भारतीय समाज को दलित–बहुजन वर्गों के अधिकारों के बारे में जागरूक किया और उनके लिए लड़ा। उन्होंने जातिवाद के खिलाफ लड़ा और समाज को जोड़ने के लिए भारत के अनेक दलित समाजों के बीच एकता का संदेश फैलाया। स्वाएमी विवेकानंद,डॉ. अंबेडकर और महात्माऔ गाँधी जैसे महापुरुष भी उनके विचारों से प्रभावित थे। गुरु रविदास जी ने दलितों के अधिकारों के लिए लड़े, समाज को एकता का संदेश दिया और जातिवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की। गुरु रविदास जी ने भारत की धार्मिक विरासत को बचाने के साथ ही संत ज्ञानेश्वर के जैसे पूर्वजों के विचारों को बचाया और संस्कृत भाषा में अपनी रचनाओं को लिखा।

गुरू रविदास जी ने अपनी शांत, विचारशील और दयालु प्रकृति से लोगों को प्रभावित किया। रविदास जी ने अपने काव्यों के माध्यम से भगवान की महिमा का गान किया। उनकी कविताएं भगवान की कृपा और अनुग्रह के बारे में होती थीं। उन्होंने अपने भक्तों को समझाया कि भगवान की कृपा से हम दुख से मुक्त हो सकते हैं। गुरू रविदास जी ने भारतीय समाज में विचारों के समझौते को उजागर किया। उन्होंने जाति–व्यवस्था के खिलाफ अपने भक्तों को उत्तम शिक्षा और अवसरों का उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने स्वयं के उत्तम उदाहरण के माध्यम से समाज को संदेश देते हुए संत मत को आगे बढ़ाया और भारतीय समाज के विकास में अहम भूमिका निभाई। उनकी वाणी और काव्य आज भी लोगों को प्रभावित करते हैं और उनके उपदेशों को आज भी माना जाता है। उनका संदेश हमें यह बताता है कि हम सभी एक ही परमात्मा के पुत्र हैं और हमारे बीच कोई भेद नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि अगर हम अपने जीवन में उत्तमता की ओर बढ़ना चाहते हैं तो हमें अन्य लोगों के लिए सहायता करना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए। उनकी यह प्रेरणा हमें आज भी एकता, समझौता और प्रेम का संदेश देती है। उन्होंने समाज में जाति–व्यवस्था के विरोधी आंदोलन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज में समानता और एकता के संदेश को फैलाया और समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का प्रयास किया। गुरू रविदास जी ने अपनी शांत और प्रेमपूर्ण वाणी के जरिए जीवन के सभी मुद्दों का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने धर्म और जीवन के बीच संघर्ष करने वालों को समझाया कि जीवन का उद्देश्य धर्मानुसार जीना नहीं होता, बल्कि इस जगत में जीवन का उद्देश्य सभी का कल्याण होता है। रविदास जी के शब्दों में भावनाएं थीं जो समाज को बदलने की शक्ति देती थीं। उनका संदेश था कि समाज में समानता होनी चाहिए और सभी को एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने आध्यात्मिकता को जीवन का महत्वपूर्ण अंग माना। गुरू रविदास जी का जीवन एक अद्भुत उदाहरण है, जो हमें समाज की समस्याओं के साथ–साथ धार्मिक जीवन के महत्व को भी समझाता है। उनके जीवन और उपदेश हमें एक समान और समझदार समाज की स्थापना के लिए प्रेरित करते हैं।आज भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र दिया है, वह संत रविदास के विचारों पर आधारित है।

आज 24 फरवरी 2024 शनिवार को उनकी जयंती है। जयंती पर सतगुरु रविदास जी को नमन।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

80 लोक सभा सीटों को जीतने का संकल्प

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चो के अध्यक्षों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की बैठक पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सम्पन्न हुई। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा जी की उपस्थिति में हुई बैठक में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह सम्मिलित हुए। बैठक में अभियानो व कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत के संकल्प के साथ आगामी कार्यक्रमों, अभियानों के संदर्भ में भी विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक का संचालन पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री गो वन्द नारायण शुक्ला ने किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र में सरकार बनने के बाद विगत 10 वर्षो में अभूतपूर्व कार्य हुए है। उन्होंने कहा केन्द्र की भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, नौजवान सहित समाज के सभी वर्गो के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज योगी सरकार की प्रशंसा और उसके द्वारा किये जा रहे लोककल्याणकारी कार्यो की प्रंशसा चारो ओर हो रही है।

श्री बैजयंत जय पांडा ने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने सुशासन और कानून का राज स्थापित किया है। उन्होंने कहा आज पूरा देश मोदी मय है। जनता को मोदी की गारन्टी पर पूरा भरोसा है। लोकसभा चुनाव प्रभारी ने पार्टी पदाधिकारियों का आहवान किया कि पार्टी संगठन की योजनानुसार अगले 100 दिन हमें देश में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ केन्द्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए काम करना है। इसके लिए आवश्यक है कि हम हर बूथ पर जीत के लक्ष्य के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा देश की जनता ने संकल्प ले लिया है कि 2024 में माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। उत्तर प्रदेश में इतिहास को रच कर लक्ष्य को पूर्ण करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में हमारे पास युगदृष्टा नेता है। जो काल के कपाल पर स्वर्णिम इतिहास का सृजन कर रहे है। उन्होंने कहा कि जनता से सतत सम्पर्क व सतत संवाद की भाजपा परम्परा विजय का आधार है। इसलिए हमें प्रत्येक बूथ, प्रत्येक घर और प्रत्येक व्यक्ति तक सम्पर्क और संवाद के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं तथा पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का काम करना है। प्रत्येक बूथ पर बूथ जीता–चुनाव जीता के संकल्प के साथ रणनीति बनाकर काम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश का वातावरण हमारे पक्ष में है, पूरे देश का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जी के प्रति अटूट है। फिर भी हमें पूरी मेहनत और परिश्रम के साथ काम करते हुए प्रत्येक बूथ पर निश्चित जीत और जीत का अन्तर बढ़ाने के लिए काम करना है। भाजपा का विकास मॉडल सबका साथ, सबका विकास की नीति पर केन्द्रित है, जो जन–जन के विकास से राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की 500 वर्षो की लम्बी प्रतिक्षा समाप्त हुई और आज भारतीय संस्कृति को गौरवान्वित करते हुए भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हुआ है। जिसमें विराजे प्रभु श्री राम लला अपने भक्तों को दर्शन दे रहे है। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्रवाद के पथ पर आगे बढ़ते हुए भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान के साथ राष्ट्र के विकास की है, जिसके लिए हम संकल्पित है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि देश तीसरी बार श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले चुका है। जनमानस के संकल्प के साथ हमें भी अपने परिश्रम के संकल्प को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव अब नजदीक है, ऐसे में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपना एक–एक क्षण परिश्रम से सरावोर करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक–एक कार्यकर्ता वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के लिए लगातार काम कर रहे है। बूथ की मजबूत संरचना भाजपा की विशेष राजनैतिक शैली बन चुकी है। इसलिए प्रत्येक बूथ को अभेद्य बनाकर जीतने के लक्ष्य के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय दर्शन साकार रूप ले रहा है। विपक्ष के पास न नीति है और न ही उसकी नियत साफ है। लगातार जनमानस विपक्ष को नकार रहा है। परन्तु फिर भी विपक्ष अफवाहों व झूठ का सहारा लेकर भ्रम फैलाने तथा षड़यंत्र रचने का काम करेगा। हमें एक–एक झूठ–फरेब, अफवाहों और षडयंत्र से सजग भी रहना है और उसका पुरजोर जबाब भी देना है। भाजपा का एक–एक कार्यकर्ता परिश्रम का पर्याय है और वह प्रत्येक परिस्थिति में विजय का परिणाम देने में सक्षम है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान में बूथ स्तर पर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दीवार लेखन का काम कर रहे है। इसके साथ ही नमो एप पर विकसित भारत एम्बेसडर बनाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की योजनाओं, नीतियों व विचारों से युवाओं, महिलाओं, किसानों, कामगारों, व्यापारियों, शिक्षकों, उद्यमियों, अधिवक्ताओं, चिकित्सको सहित सभी वर्गो को जोड़ने का काम भाजपा कार्यकर्ता कर रहे है। श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि गांव चलो अभियान के माध्यम से प्रवासी कार्यकर्ता गांवो में तथा शहरी क्षेत्रों में बूथों पर 24 घंटे का प्रवास कर रहे हैं और प्रत्येक घर की दहलीज पर पहुंचकर प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क कर रहे है। स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी गांव–गांव में आमजन से जुड़ रही है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी एनजीओ व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर रही है और आधी आबादी तक भाजपा सरकारों की योजनाएं, ऐतिहासिक निर्णय व भाजपा की विचारधारा पहुंच रही है। श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व प्रदेश भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के बडे वर्ग के बीच सम्पर्क व संवाद के माध्यम से पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पहुंच रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से लाभार्थियों से तथा आम लोगों से सम्पर्क व संवाद में प्रदेश इकाई ने कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आगामी समय बिना थके, बिना रूके परिश्रम को परिणाम में परिणित करने की योजना पर काम करने का है।

भाजपा की प्रगति परिर्वतन की चहुंओर प्रशंसा : पांडा

राज्यसभा के आठ प्रत्यासियों की विजय

भारतीय जनता पार्टी ने उ0प्र0 राजय सभा चुनाव में इतिहास रचते हुए आठ सीटों पर ''विजयश्री'' अर्जित किया। भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। मोदी जी के कार्यों पर जन–जन की मोहर है। इसके पूर्व भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य प्रत्याशी के रूप में श्री आरपीएन सिंह, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, चौधरी तेजवीर सिंह, श्रीमती साधना सिंह, श्री अमरपाल मौर्य, डॉ. संगीता बलवंत तथा श्री नवीन जैन, संजय सेठ ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक, निषाद पार्टी के अध्यक्ष श्री संजय निषाद, अपना दल (एस) के नेता श्री आशीष पटेल, प्रदेश सरकार के मंत्री श्री सुरेश खन्ना, श्री सूर्य प्रताप शाही, श्री स्वतंत्र देव सिंह, श्री जेपीएस राठौर सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्य सरकार के मंत्रीगण, विधायक व अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे। इसके पूर्व पार्टी के राज्य मुख्यालय पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने सभी उम्मीदवारों का स्वागत व अभिनन्दन किया। संचालन प्रदेश के सहकारिता मंत्री श्री जेपीएस राठौर ने किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री संतोष सिंह, श्री बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ला, श्री संजय राय, प्रदेश मंत्री श्री शिव भूषण सिंह, श्री बसंत त्यागी, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनीष दीक्षित, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी श्री हिमांशु दुबे सहित प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

मुख्यालय पर आयोजित समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने लोकसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत व अभिनंदन किया।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पार्टी के पदाधिकारियों को बंसत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को नेतृत्व प्रदान करना ही भाजपा की नीति है और भाजपा के प्रत्येक निर्णय में यह नीति परिलक्षित होती है। देश की 140 करोड़ जनता प्रचंड बहुमत से श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निश्चय कर चुकी है। पिछले दस साल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की प्रगति एवं परिवर्तन की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है। मोदी जी के

नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व की प्रत्येक समस्या के समाधान में भारत की आवश्यकता विश्व को महसूस हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की 25 करोड़ आबादी को गरीबी से बाहर निकालने का काम विगत 10 वर्षों में हुआ है। उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार से प्रदेश की प्रगति, माफिया मुक्ति, गांव, गरीब, किसान की उन्नति संभव हुई है। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण की नीति पर चलते हुए आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए सभी वर्गो का प्रत्याशी के रूप में प्रतिनिधित्व घोषित करने के लिए केन्द्रीय नेतृत्व का प्रदेश भाजपा इकाई आभार व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर पार्टी की अपेक्षा के अनुसार कार्य करते हुए पार्टी के प्रत्येक संकल्प को पूर्ण करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण की नीति ने देश की दशा को बदला है और देश उन्नति की दिशा में बढ़ चुका है। उत्तर प्रदेश अपने कार्यकर्ताओं के परिश्रम के साथ मोदी जी व योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने के लिए संकल्पित है।

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी प्रत्याशियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि हम सभी कंधे से कंधा मिलाकर काम करना है और प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतकर माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा कि सपा समाप्त और कांग्रेस मुक्त करने के संकल्प के साथ प्रत्येक बूथ पर कमल खिलाने का काम करना है। केन्द्रीय नेतृत्व का प्रत्याशी चयन में सभी सामाजिक वर्गो के प्रतिनिधित्व के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने केन्द्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं व बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इतिहास का सृजन करते हुए प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

अबकी बार–चार सौ पार!

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। पार्टी ने, **"अबकी बार भाजपा 370 पार व एनडीए 400 पार"** का लक्ष्य लेकर आगामी 100 दिनों का एजेंडा भी बना लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के दौरान ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देते हुए, "अबकी बार चार सौ पार" की राजनैतिक भविष्यवाणी कर सभी पंडितों को चौंका दिया और कहा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी अकेले दम पर 370 पार जायेगी और एनडीए 400 पार जायेगा । इसके बाद से ही जो सर्वे कंपनियां राजनैतिक खेल रही है। कार्यकारिणी में भाजपा ने अपना थीम सांग भी लांच कर दिया। आगामी लोकसभा चुनवों के लिए भाजपा ने मोदी की गारंटियों को जन –जन तक पहुंचाने के लिए पांच फिल्मों का भी निर्माण करवाया है यह फिल्में मोदी की गारंटी की गाथा दिखाएंगी।

भाजपा कार्यकारिणी में एक राजनैतिक प्रस्ताव रखा गया जिसमें अयोध्या में दिव्य एवं भव्य राम मंदिर सहित सनातन धर्म के गौरव का विस्तार से उल्लेख किए जाने के साथ ही साथ सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का भी उल्लेख किया गया है। भाजपा ने एक पुस्तिका प्रकाशित करवायी है जिसमें रामजन्मभूमि मुक्ति के संघर्ष सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का

लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा ने बनाई आक्रामक रणनीति

दिखाना चाहती थीं उनके सपने ध्वस्त हो गए । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र निर्माण व विकसित भारत की गारंटी के बीच अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है और विरोधी दलों के ऊपर मनोवैज्ञानिक बढ़त बना ली है।

कार्यकारिणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह सहित उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो भाषण दिये हैं उससे भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल और दृढ़ हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में दस वर्षों की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए कहा कि आजादी के बाद भारत के राजनैतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि लोकसभा चुनावों के बाद उन्हें जून, जुलाई और सितंबर तक के लिए विदेश यात्रा के निमंत्रण मिल चुके हैं। आज संपूर्ण वैश्विक जगत में भी इस बात की प्रबल आशा है कि इस बार भारत में फिर मोदी सरकार ही बनने जा वह भाषण भी दिया गया है जो उन्होंने 22 जनवरी 2024 को प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन दिया था। राजनैतिक प्रस्ताव में मोदी की गारंटी, विकसित भारत के संकल्प सहित किसान कल्याण, नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे मुद्दों सहित नए संसद भवन के निर्माण,अंतरिक्ष व अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत की नई उड़ान का उल्लेख किया गया है।राजनैतिक प्रस्ताव में कोविड प्रबंधन सहित किसान आंदोलन के बीच किसानों के कल्याण के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा की गई है।

वैसे भी जब से भारत को प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व मिला है तब से भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है और संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को जनता के बीच बने रहने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। वर्तमान समय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो जाने

के बाद पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में नारी शक्ति का वंदन करने के लिए बड़ी संख्या में कार्यक्रमों व जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत महिला कार्यकर्ताओं को ही मंच पर स्थान दिया जा रहा है और उनका वंदन किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के बाद पार्टी गांव परिक्रमा यात्रा निकाल रही है जिसे एक महीने में दो लाख गांवों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें प्रत्येक स्थान से 300 से अधिक किसानों को आमंत्रित किया जा रहा है और परिक्रमा के दौरान ग्राम देवता, ट्रैक्टर और हल का पूजन किया जा रहा है।

वास्तव में भाजपा ने रामलहर पर सवार 370 से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है जो वर्तमान समय में अधिक चूनौतीपूर्ण नहीं भी है और हो भी सकता है क्योंकि राजनैतिक विश्लेषक अभी भी दक्षिण को भाजपा के लिए एक बेहद जटिल मानकर चल रहे हैं और उनका मानना है कि दक्षिण भारत में भाजपा अभी भी प्रमुख दल नहीं है । कर्नाटक और तेलगंना के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली पराजय भी यही संकेत देती है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व पार्टी दक्षिण का किला जीतने के लिए भी कमर कस रही है। कार्यकारिणी में कर्नाटक तेलगांना सहित विभिन्न राज्यों की घटनाओं पर चर्चा की गई और दावा किया गया कि आगामी समय में कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा एक बार फिर जोरदार वापसी करेगी ।

कार्यकारिणी में भाजपा ने विगत आम चुनावों में हारी हुई 161 सीटों पर चलाये गये विभिन्न अभियानों की समीक्षा की और जल्द ही स्वयं सहायता समूहों और गैरसरकारी संगठनों से संपर्क के लिए व्यापक अभियान चलाने की घोषणा की है। अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बताया कि इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए लोकसभा प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत एक सीट पर केंद्रीय मंत्रियों ने औसतन तीन दिन बिताये हैं। ऐसे में पार्टी को पूरा भरोसा है कि इस बार इन सभी सीटों पर चमत्कारिक परिणाम सामने आयेंगे। भाजपा की तैयारियां इतनी आक्रामक है कि इन हारी हुई सीटों पर विजय दिलाने उम्मीदवारों की तलाश भी लगातार की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी ने अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए नाराज हुए नेताओं की घर वापसी का अभियान भी प्रारम्भ कर दिया है जिसके अंतर्गत कर्नाटक में विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा छोड़ कांग्रेस में गये जगदीश शेट्टर की वापसी हो चुकी है और अब कई अन्य राज्यों में यह अभियान गति पकड़ रहा है। कार्यकारिणी में एनडीए को मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व बड़े फैसलों के लिए पार्टीअध्यक्ष जे. पी. नड्डा को अधिकृत कर दिया गया है क्योंकि अब समय काफी कम बचा है।

कार्यकारिणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अध्यक्ष जे. पी. नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह सहित सभी वक्ताओं ने कांग्रेस सहित सभी परिवारवादी पार्टियों पर तीखा हमला बोला और उन्हें सनातन विरोधी बताया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें सरकार बनाने के लिए ही नहीं अपितु राष्ट्र निर्माण के लिए फिर से सत्ता में आना है। कांग्रेस से देश को बचाना हर कार्यकर्ता का दायित्व है और इसके लिए हम सभी को अगले 100 दिनों तक नई ऊर्जा, उत्साह व जोश के साथ लगातार कार्य करना ही होगा। 2024 में नई सरकार आ जाने के बाद राष्ट्र निर्माण के कार्य में और अधिक गति आयेगी।उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि हमें हर बूथ पर पिछली बार से 370 वोट अधिक प्राप्त करने के लिए अनवरत मेहनत करनी पड़ेगी और हर लाभार्थी तक पहुंचना ही होगा उससे संवाद करना ही होगा और मतदान के दिन उन्हें पोलिंग बूथ तक लाना भी होगा। कार्यकर्ताओ को यह संदेश भी दिया गया कि अब हमें आगामी हर नये मतदाता तक पहुंचना है और उन्हें विगत सरकारों के भ्रष्टाचार और घोटालों की जानकारी देने के साथ ही अपनी उपलब्धियां बताकर उनका दिल जीतना है।

प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहाकि अब घोटालों की नहीं उपलब्धियों की चर्चा होती है, देश पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था से अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।युवाओं को इस बात की जानकारी दी जाये कि कितने अथक परिश्रम के बाद देश में यह सुखद वातावरण बना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भाजपा युवाशक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान की शक्ति को विकसित कर रही है।

कार्यकारिणी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन के अवसर पर जय श्रीराम के जयकारे लगे और पूरा वातावरण राममय हो गया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशवासी आज नये भारत के दर्शन कर रहे हैं। आज देश में हर नागरिक का सम्मान है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम से जो यात्रा प्रारम्भ हुई है वह आज अयोध्या तक पहुंच चुकी है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला अपने भव्य मंदिर में पांच सदी के बाद पुनः विराजमान हो चुके हैं।हर राम भक्त, हर सनातनी धर्मावलंबी इससे प्रफुल्लित है।उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मंदिर उसी स्थान पर बनाया गया है जहां निर्माण की सौगंध ली गई थी।

कार्यकारिणी में कार्यकर्ताओं को सलाह दी गई कि चुनाव से पहले ही विपक्ष हताश व निराश है। विपक्ष के पास सरकार व भाजपा के खिलाफ कोई मुददा नहीं है। ऐसे में विपक्ष की ओर से तथ्यहीन आरोपों की राजनीति तीव्र होगी किंतु हमें विपक्ष की किसी भी साजिश में नहीं फंसना है। राजनैतिक प्रस्ताव में विकसित भारत, मोदी की गारंटी की बात कही गयी है तो मोदी सरकार के कार्यकाल को रामराज्य की परिकल्पना को जमीन पर उतारने वाला काल बताया गया। कार्यकारिणी में स्पष्ट कहा गया कि देश में आमूल–चूल बदलाव के कारण वातावरण हमारे पक्ष में है और अगर हम सभी लगातार कड़ी मेहनत करेंगे तो आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 370 से अधिक सीटों का लक्ष्य प्राप्त कर लेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र

देश पांच कमजोर अर्थव्यवस्था से निकलकर शीर्ष पांच अर्थव्यवस्था में हुआ शामिल

भाजपानीत राजग सरकार ने 2014 में जब केंद्र में सत्ता संभाली, तब देश की अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक दौर से गुजर रही थी तथा भारत विश्व की पांच कमजोर अर्थव्यवस्था में गिना जाता था। सार्वजनिक वित्त व्यवस्था चरमरा गयी थी तथा चारों ओर आणथक कुप्रबंधन, वित्तीय अनियमितता और व्यापक भ्रष्टाचार का बोलबाला था। यह संप्रग सरकार द्वारा विरासत के रूप में छोड़ी गई अत्यंत विकट स्थिति थी। फिर भी भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने विरासत में मिली हर चुनौती का बेहतर आणथक प्रबंधन और सुशासन के जरिए डटकर मुकाबला किया, जिसके परिणामस्वरूप अब देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर उच्च विकास के मार्ग पर अग्रसर है। यह उचित नीतियों, सच्चे इरादों और सही निर्णयों से संभव हुआ। केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने संप्रग सरकार (2004–2014) के आर्थिक कुप्रबंधन एवं भ्रष्टाचार तथा राजग सरकार (2014 से अब तक) की बेहतर आर्थिक नीतियों, सुधारों एवं इसके प्रभाव पर प्रकाश डालने के लिए संसद में आठ फरवरी को एक श्वेत पत्र पेश किया। यह 'श्वेत पत्र' 2014 से पहले और बाद में देश के आणथक व राजकोषीय प्रबंधन तथा प्रशासन की प्रेंति के बारे में स्पष्ट प्रकाश डालता है तथा यह भी बताता है कि कैसे भाजपानीत राजग सरकार ने अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने और 'अमृत काल' में लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के अनेक प्रयास किये हैं। इस 'श्वेत पत्र' की मुख्य बातें निम्न हैं:

वरिसत में 8% की विकास दर की एक मजबूत अर्थव्यवस्था मिलने के बावजूद, संप्रग सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन तथा व्यापक भ्रष्टाचार के कारण भारत को 'कमजोर–पांच अर्थव्यवस्था' (फ्रैजाइल–फाइव) में गिना जाने लगा।

- ❖ बैंकिंग क्षेत्र पूरी तरह चरमरा गया, जिसके कारण मार्च, 2004 में ₹6.6 लाख करोड़ रुपए से मार्च, 2012 तक ₹39 लाख करोड़ रुपए तक ऋणों में तीव्र वृद्धि देखी गई। इसके अतिरिक्त, लगातार उच्च राजकोषीय घाटा, जो लगातार छह वर्षों (वित्तीय वर्ष 2009–2014) तक सकल घरेलू उत्पाद के 4.5% से ऊपर रहा, ने समग्र आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया। बाजार के उधार पर सरकार की निर्भरता ने पूंजीगत व्यय में बाधा उत्पन्न की तथा कुल व्यय के रूप में पूंजीगत व्यय की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2004 में 31% से घटकर वित्त वर्ष 2014 में 16% तक हो गई।
- ❖ जुलाई, 2011 में विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 294 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर अगस्त, 2013 में लगभग 256 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो सितंबर, 2013 तक मुश्किल से 6 महीने के आयात को कवर कर सकता था।
- ❖ यूपीए सरकार ने मुख्यतः राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अत्यधिक राजस्व व्यय को उचित ठहराने के लिए वैश्विक वित्तीय संकट का फायदा उठाया था।
- ❖ यूपीए सरकार द्वारा लगाए गए सख्त तटीय नियमों ने 83 तटीय जिलों में आर्थिक वृद्धि और विकास को अवरुद्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त, मुख्य घोटाले– जैसेकि 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और कोयला आवंटन घोटालों के कारण भारत में गंभीर राजनीतिक अनिश्चितता का वातावरण बना और वैश्विक रूप से निवेश स्थल के रूप में भारत की प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।
- ❖ यूपीए सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने में कई अड़चने पैदा की, जिसकी वजह से उसे आलोचना का सामना करना पड़ा और एकीकृत बाजार की पहल बाधित हुई। इसके अतिरिक्त, 2006 में पेश किया गया 'आधार' एक से दूसरे मंत्रालयों के बीच मतभेदों से जूझ रहा था और इसमें एक समान उद्देश्य का अभाव था, जो अपने इच्छित उद्देश्य को प्राप्त करने में विफल रहा।
- ❖ यूपीए के कार्यकाल वाले दशक को एक विफल दशक माना जाता है, क्योंकि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मजबूत बुनियादी अर्थव्यवस्था और वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर गंवा दिया।
- ❖ यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान अकुशल नीति नियोजन के कारण 2004 से 2014 तक 14 प्रमुख सामाजिक और ग्रामीण क्षेत्र के मंत्रालयों में ₹94,060 करोड़ रुपये खर्च नहीं हुए। इसके विपरीत, मोदी सरकार के अंतर्गत 2014 से 2024 तक केवल ₹37,064 करोड़ रुपये खर्च नहीं हुए, जो कि संचयी बजट अनुमान का

1% से भी कम था।

❖ यूपीए सरकार के अंतर्गत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था, जिसमें कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, 2जी घोटाला और एंट्रिक्स–देवास डील से लेकर शारदा चिट फंड घोटाला तक शामिल था। विकास को प्राथमिकता देने की बजाय यूपीए सरकार ने हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार किया और कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ा।

❖ मोदी सरकार के कार्यकाल में खुले में शौच को खत्म करने, पूरी योग्य आबादी को स्वदेशी टीकों के साथ सफलतापूर्वक टीकाकरण करने और डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। यूपीए सरकार की अक्षमताओं और अकुशल नीतियों की वजह से भारत पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया।

❖ मोदी सरकार के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण ने केवल एक दशक में भारत को शीर्ष पांच देशों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है, और अब वर्ष 2027 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है।

❖ व्यापक अर्थव्यवस्था में यूपीए का कुप्रबंधन नकारात्मक चालू खाता शेष से स्पष्ट हो जाता है, जहां वर्ष 2013–14 में सकल घरेलू उत्पाद की दर –4.8% थी और साल–दर–साल सकल घरेलू उत्पाद 5.5 प्रतिशत की धीमी रफ्तार से ही चल रही थी। जबकि इसकी तुलना में मोदी सरकार के कार्यकाल के वर्ष 2021–22 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 9.1 प्रतिशत हो गई थी।

❖ मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 24 में 28% हो गया है जो कांग्रेस की सरकार के दौरान वर्ष 2014 के वित्त वर्ष में केवल 16 प्रतिशत था। यही नहीं, यूपीए की लापरवाही के कारण वित्त वर्ष 2015 में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण केवल 12 किलोमीटर प्रतिदिन था, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल मे यह वित्तीय वर्ष 2023 में 2.3 गुना से अधिक बढ़कर 28 किमी/दिन हो गया था। इसके अतिरिक्त, प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो यातायात भी 581 मीट्रिक टन से बढ़कर 784 मीट्रिक टन हो गया। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2022 तक विद्युतीकृत रेल मार्ग और हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई थी।

❖ मोदी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के दर्शन को सही मायने में अपनाया है:

❖ यूपीए सरकार ने वर्ष 2011–2014 तक केवल 1.8 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया, वहीं मोदी सरकार ने वर्ष 2014–2024 तक उल्लेखनीय 11.5 करोड़ घरेलू शौचालयों का निर्माण किया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2005–12 से 2014–2024 तक न्यूनतम जीरो बैलेंस वाले बैंक खाते 500 गुना बढ़े हैं।

❖ यूपीए सरकार ने केवल 164 जन औषधि स्टोर खोले, जिनमें से केवल 87 ही चालू थे। हालांकि, मोदी सरकार के कार्यकाल वर्ष 2014–2023 तक 10,000 जन औषधि स्टोरों का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

❖ वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2023 तक औसत हेडलाइन मुद्रास्फीति गिरकर 5% हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2014 तक यह 8.2% थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत के सेवा क्षेत्र में 97% की वृद्धि हुई है, जो 36% की वैश्विक सेवा निर्यात वृद्धि को पार कर गया है, जो दुनिया भर में इस क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को

	संप्रग सरकार		एनडीए सरकार	
योजना	अवधि	परिणाम	अवधि	परिणाम
किफायती आवास- ग्रामीण	2003-14	2.1 करोड़	2016-2024	2.6 करोड़
शौचालयों का निर्माण	2011-14	1.8 करोड़ शौचालय निर्मित	2014-2024	11.5 करोड़ घरेलू शौचालयों का निर्माण
असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए किफायती पेंशन	2011-2014	36.4 लाख लाभार्थी	2015-2023	6.1 करोड़ लाभार्थी
न्यूनतम शून्य राशि वाले बैंक खाते	2005-2012	10.3 करोड़ खाते	2014-2024	51.6 करोड़ खाते
ग्रामीण विद्युतीकरण	2005-2014	2.15 करोड़ आवास	2017-2022	2.86 करोड़ आवास विद्युतीकृत
किफायती दवाइयां	2008-2014	164 जन औषधि भंडार खोले गए, जिनमें से 87 कार्यात्मक	2014-2023	10,000 भंडार खोले गए
ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क	2011-2014	6577 किमी ऑप्टिकल फाइबर लगाया गया	2015-2023	6.8 लाख किमी ऑप्टिकल फाइबर लगाया गया
गरीबों के लिए मातृत्व लाभ	2010-2013	53 जिलों में 9.9 लाख लाभार्थी	2017-2023	पूरे भारत में 3.59 करोड़ लाभार्थी

दर्शाता है।

- वित्तीय वर्ष 2015 और 2023 के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग दोगुना हो चुका है, इसे पी.एल.आई के माध्यम से रणनीतिक उदारीकरण के द्वारा सक्षम बनाया गया जिसने कई क्षेत्रों में स्वचालित मार्गों के माध्यम से 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई) की अनुमति दी।
- मोदी सरकार ने सफलतापूर्वक जीएसटी को लागू करके यूपीए सरकार के एक दशक लंबे संघर्ष का सामाधान किया है। हस्तांतरण हिस्सेदारी का 30–32% से 41–42% तक बढ़ना, सहकारी संघवाद के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है। राज्यों को समर्पित संसाधनों की कुल मात्रा लगभग चार गुना तक बढ़ गई है जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1% है।
- वित्तीय वर्ष 2023 में भारत ने 893.19 मिलियन टन का ऐतिहासिक कोयला उत्पादन स्तर प्राप्त किया और वित्तीय वर्ष 2014 की तुलना में कुल कोयला उत्पादन में 57.8% की वृद्धि हुई है।
- मोदी सरकार के अंतर्गत सितंबर, 2023 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल गैर–निष्पादित संपत्ति कम होकर 3.2% हो गई, जबकि संपत्ति पर रिटर्न 2013–14 में 0. 50% से बढ़कर 2022–23 में 0.79% हो गया और इक्विटी पर रिटर्न बढ़कर 12.35% हो गया है।
- भारत ने घोटालों और आधुनिक तकनीकों तक सीमित पहुंच के युग से लेकर सस्ते दरों पर व्यापक 4जी कवरेज और 2023 में दुनिया के सबसे तेजी से 5जी लागू करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी प्रकार, देश का संसाधन आवंटन में अपारदर्शी प्रथाओं, जैसेकि कोल ब्लॉक आवंटन घोटाला आदि से निकलकर पारदर्शी और वस्तुनिष्ठ नीलामी प्रणाली की ओर परिवर्तन हुआ है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक वित्त को मजबूत करना है। इसके अतिरिक्त, जी.आई.एफ.टी, आई. एफ.एस.सी में एक पारदर्शी बुलियन एक्सचेंज स्थापित करने के लिए विशेष सोने के आयात लाइसेंस देने में बदलाव लाना सभी के लिए निष्पक्ष और सुलभ आर्थिक प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूपीए सरकार ने एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था को कमजोर अर्थव्यवस्था में बदला

- यूपीए सरकार को अधिक सुधारों के लिए तैयार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, लेकिन उसने अपने 10 वर्षों में इसे लचर अर्थव्यवस्था बना दिया।
- विडंबना यह है कि यूपीए नेतृत्व, जो शायद ही कभी 1991 के सुधारों का श्रेय लेने में विफल रहता है, उसने 2004 में सत्ता में आने के बाद उन्हें छोड़ दिया।
- 2014 में बैंकिंग संकट बहुत बड़ा था और दांव पर लगी कुल राशि बहुत बड़ी थी। मार्च 2004 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा सकल अग्रिम केवल 6.6 लाख करोड़ रुपये था। मार्च 2012 में, यह 39.0 लाख करोड़ रुपये था।
- 2013 में जब अमेरिकी डॉलर तेजी से बढ़ा। यूपीए सरकार ने बाहरी और व्यापक आर्थिक स्थिरता से समझौता किया था और 2013 में मुद्रा में गिरावट आई थी। 2011 और 2013 के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 36 प्रतिशत गिर गया।
- प्रवासी भारतीयों के लिए 'फॉरेन करेंसी नॉन–रेसिडेंट' (एफसीएनआर (बी)) डिपॉजिट विंडो वास्तव में मदद के लिए एक गुहार थी, जब विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी हुई थी।
- यूपीए सरकार के तहत विदेशी मुद्रा भंडार जुलाई, 2011 में लगभग 294 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर अगस्त, 2013 में लगभग 256 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था। सितंबर, 2013 के अंत तक आयात के लिए विदेशी मुद्रा भंडार 6 महीने से थोड़े अधिक समय के लिए ही पर्याप्त था, जबकि यह मार्च, 2004 के अंत में 17 महीने के लिए पर्याप्त था।
- 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट पर यूपीए सरकार की प्रतिक्रिया– स्पिल–ओवर प्रभावों से निपटने के लिए एक राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज, उस समस्या से कहीं अधिक खराब थी जिसका वह समाधान करना चाहती थी

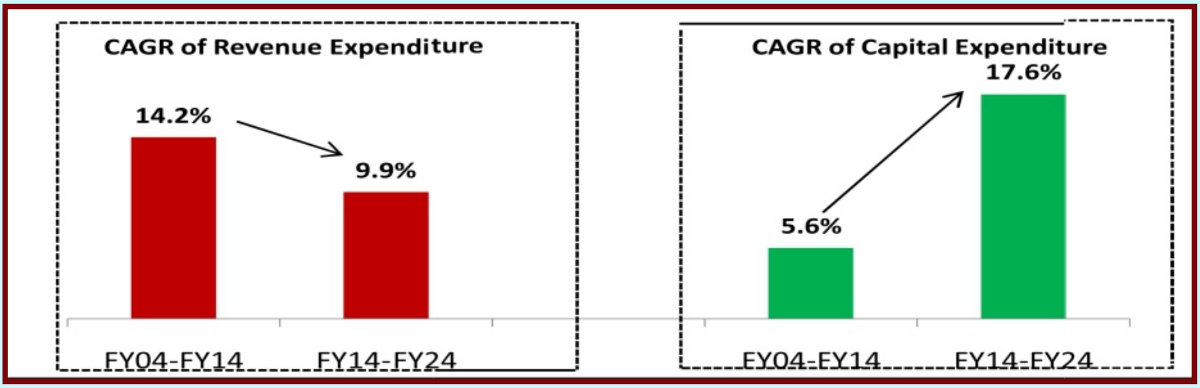

- यह वित्त पोषण और रखरखाव की केंद्र सरकार की क्षमता से कहीं परे था। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोत्साहन का उन परिणामों से कोई संबंध नहीं दिख रहा है, जो इसे हासिल करने की कोशिश की गई थी। इसका कारण यह था कि हमारी अर्थव्यवस्था संकट से अनावश्यक रूप से प्रभावित नहीं हुई थी। जीएफसी के दौरान वित्त वर्ष 2009 में भारत की वृद्धि धीमी होकर 3.1 प्रतिशत हो गई, लेकिन वित्त वर्ष 2010 में तेजी से बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो गई।
- यूपीए सरकार द्वारा तेल विपणन कंपनियों, उर्वरक कंपनियों और भारतीय खाद्य निगम को नकद सब्सिडी के बदले जारी की गई विशेष प्रतिभूतियां (तेल बॉन्ड) वित्त वर्ष 2006 से वित्त वर्ष 2010 तक पांच वर्षों में कुल 1.9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की थीं।
- प्रत्येक वर्ष के लिए सब्सिडी बिल में उन्हें शामिल करने से राजकोषीय घाटा और राजस्व घाटा बढ़ जाता, लेकिन उन्हें छुपाया गया।
- अपने राजकोषीय कुप्रबंधन के परिणामस्वरूप यूपीए सरकार का राजकोषीय घाटा उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक हो गया, और बाद में उसे 2011–12 के बजट की तुलना में बाजार से 27 प्रतिशत अधिक उधार लेना पड़ा।
- अर्थव्यवस्था के लिए राजकोषीय घाटे का बोझ सहन करना बहुत भारी हो गया। वैश्विक वित्तीय और आर्थिक संकट के प्रभाव को निर्मूल करने के बहाने यूपीए सरकार ने अपनी उधारी का विस्तार किया और इसी बात पर अड़ी रही। यूपीए सरकार ने न केवल बाजार से भारी मात्रा में उधार लिया, बल्कि जुटाई गई धनराशि का उपयोग अनुत्पादक तरीके से किया।
- बुनियादी ढांचे के निर्माण की गंभीर उपेक्षा की गई, जिससे औद्योगिक और आर्थिक विकास में गिरावट आयी।
- एक जनहित याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट को सौंपे गए हलफनामे में यूपीए सरकार ने कहा कि लगभग 40,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़े गए।
- 1997 से 2002 तक एनडीए शासन के दौरान 24,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़े गए।
- इसके बाद, यूपीए के पिछले दस वर्षों (2004–14) में लगभग 16,000 किलोमीटर ही जोड़े गए।
- रिजर्व बैंक की रिपोर्टों ने यूपीए सरकार द्वारा अत्यधिक राजस्व व्यय की ओर भी इशारा किया। खराब नीति नियोजन और कार्यान्वयन के कारण यूपीए के वर्षों के दौरान कई सामाजिक क्षेत्रों की योजनाओं के लिए बड़ी मात्रा में धन खर्च नहीं किया गया।
- यूपीए सरकार के तहत स्वास्थ्य व्यय भारतीय परिवारों के लिए एक चिंता का विषय बना रहा।
- यह है कि वित्त वर्ष 2014 में आउट–ऑफ–पॉकेट व्यय (ओओपीई) भारत के कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) का 64.2 प्रतिशत था (वित्त वर्ष 2005 में टीएचई के प्रतिशत के रूप में 69.4 प्रतिशत ओओपीई से थोड़ा सुधार के साथ) इसका मतलब है कि स्वास्थ्य व्यय भारतीय नागरिकों की जेब खाली करता रहा।
- दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के प्रति विचार की ऐसी कमी थी कि रक्षा तैयारियों का महत्वपूर्ण मुद्दा भी नीतिगत पंगुता के कारण बाधित हो गया था।
- यूपीए सरकार के शासन का दशक (या उसका अभाव) नीतिगत दुस्साहस और 2–जी घोटाले और कोयला घोटाले जैसे कांडों से भरा रहा।
- यूपीए सरकार को जुलाई 2012 में हमारे इतिहास की सबसे बड़ी बिजली कटौती के लिए हमेशा याद किया जाएगा, जिसने 62 करोड़ लोगों को अंधेरे में छोड़ दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया।
- कोयला और गैस जैसे ईंधन की कमी के कारण 24,000 मेगावाट से अधिक उत्पादन क्षमता बेकार पड़ी होने के बावजूद देश में ऐसा अंधेरा छा गया।
- 2जी घोटाले और नीतिगत पंगुता के कारण भारत के दूरसंचार क्षेत्र ने एक कीमती दशक गंवा दिया। यूपीए शासन में स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव था और 2008–09 तक के वर्षों में इसका अक्सर दुरुपयोग किया गया, जिसके परिणामस्वरूप '2जी घोटाला' हुआ।

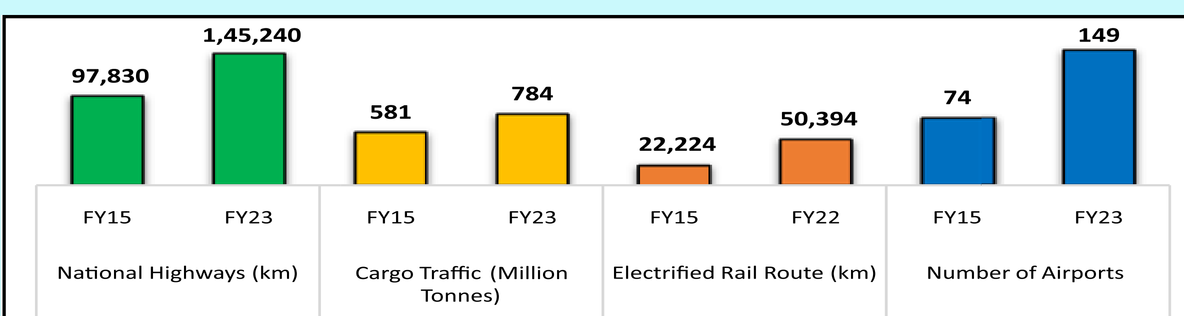

- यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई 80:20 स्वर्ण निर्यात–आयात योजना इस बात का उदाहरण है कि कैसे अवैध आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए विशेष हितों की पूर्ति के वास्ते सरकारी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को तबाह कर दिया गया।
- यूपीए सरकार का कार्यकाल नीतिगत गतिहीनता के उदाहरणों से भरा रहा। कैबिनेट सचिव ने 2013 में इसकी चर्चा की थी। यूपीए सरकार साझा उद्देश्यों को समझ नहीं पाई और दायरे, उद्देश्य और कार्यान्वयन की जिम्मेदारियों में व्यापक अंतर–मंत्रालयी मतभेद थे।

घरेलू निवेशक भी विदेश जाने लगे

- दुनिया भर में निवेशक व्यापार करने में आसानी चाहते थे, जबकि यूपीए सरकार ने नीतिगत अनिश्चितता और परेशानी प्रदान की। यूपीए सरकार के अंतर्गत निराशाजनक निवेश माहौल के कारण घरेलू निवेशक विदेश जाने लगे।
- यूपीए सरकार ने पिछली सरकार द्वारा लाए गए सुधारों का लाभ उठाया, लेकिन उन महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने में असफल रही जिनका उसने वादा किया था। भारत में डिजिटल सशक्तीकरण के प्रतीक 'आधार' को भी यूपीए के हाथों नुकसान उठाना पड़ा है।
- बड़ी संख्या में विकास कार्यक्रम और परियोजनाएं खराब तरीके से लागू की गईं।
- जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था में कोई अर्थपूर्ण, अपेक्षित या उपयोगी निष्कर्ष निकलता नहीं दिखाई दे रहा था। भारत के नीति नियोजकों और देश की प्राथमिकताओं के बीच संबंध इस कदर टूटा हुआ था कि लोगों ने 2014 के आम चुनावों में एनडीए को बागडोर संभालने के लिए भारी जनादेश दिया।
- वित्त वर्ष 2011 से 2014 के दौरान कौशल विकास के लिए 57 से 83 प्रतिशत भागीदार अपना लक्ष्य पूरा करने में विफल रहे।
- यूपीए सरकार का दशक एक गंवा दिया गया दशक था क्योंकि वह मजबूत बुनियादी अर्थव्यवस्था और वाजपेयी सरकार द्वारा छोड़ी गई सुधारों की गति का लाभ उठाने में विफल रही। यूपीए सरकार में बार–बार नेतृत्व का संकट पैदा होता रहा।
- यूपीए सरकार के आर्थिक और राजकोषीय कुप्रबंधन ने अंततः अपने कार्यकाल के अंत तक भारत की विकास संभावना को खोखला कर दिया था।
- जैसे ही 2014 में हमारी सरकार ने सता संभाली, हमने व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं में सुधार और बदलाव की तत्काल आवश्यकता को पहचाना, ताकि भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ने में मदद मिल सके और साथ ही, इसकी व्यापक आर्थिक नींव को भी सहारा दिया जा सके।
- शासन के हमारे नए प्रतिमान के अंतर्गत भारत ने डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करने से लेकर खुले में शौच के उन्मूलन और स्वदेशी टीकों का उपयोग करके पूरी पात्र आबादी का सफलतापूर्वक टीकाकरण करने से लेकर निर्यात में व्यापक विविधता लाने तक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।
- साथ–साथ, हमने अर्थव्यवस्था और व्यापार क्षेत्र को भी मजबूत किया है। हमारी सरकार के शुरुआती वर्षों में ही एक व्यापक सुधार प्रक्रिया की नींव रखी गई।
- आईएमएफ आर्टिकल IV रिपोर्ट (2015) में उल्लेख किया गया हैकृ "भारत के निकट अवधि के विकास संभावना में सुधार हुआ है और जोखिमों का संतुलन अब अधिक अनुकूल है, बढ़ी हुई राजनीतिक निश्चितता, कई नीतिगत कार्रवाइयों, व्यापार आत्मविश्वास में सुधार, वस्तुओं के आयात की कीमतों में कमी और बाहरी अति संवेदनशीलता में कमी से मदद मिली है।"
- दो साल बाद अपनी 2017 आर्टिकल IV रिपोर्ट में आईएमएफ ने भारत के बारे में अपने आशावाद को और उन्नत करते हुए कहा कि प्रमुख सुधारों के कार्यान्वयन, आपूर्ति पक्ष की बाधाओं को कम करने और उचित राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के कारण मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं में सुधार हुआ है जिसने व्यापक आर्थिक स्थिरता बढ़ाई है।
- सुधार प्रक्रिया की शुरुआत ने हमारी सरकार के शुरुआती वर्षों में निवेश माहौल में सुधार और अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल दृष्टिकोण तैयार करके सकारात्मक परिणाम देना शुरू कर दिया।

निवेशक की भावनाओं को फिर से जगाना

- हमारी सरकार 'प्रकृति' और 'प्रगति' को संतुलित करने की सच्ची भावना को समझती है जो 2011 के नियमों में पूरी तरह से गायब थी। हमारी सरकार द्वारा किए गए सुधार उपायों ने अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की निवेश संभावनाओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है।
- प्रसिद्ध निवेशक और फंड मैनेजर मार्क मोबियस का एक डालिया बयान, जिन्होंने यह टिप्पणी कीकृ "भारत निवेशकों को लुभाकर और उन्हें बड़े नतीजों के वादे से अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। मैं भी इसकी विशाल विकास संभावना से मंत्रमुग्ध हूं।"

सशक्त और प्रभावी संवितरण के माध्यम से लोक कल्याण

- कल्याण के माध्यम से सशक्तीकरण हमारी सरकार का

ध्येय रहा है। हमने बुनियादी सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच को प्राथमिकता देते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' की विचारधारा को अपनाया और इस विचारधारा को साकार करने में भागीदारी, मिशन–मोड दृष्टिकोण अपनाया।

- हमारी सरकार ने प्रौद्योगिकी–आधारित लक्ष्यीकरण और निगरानी तंत्र लागू करके यूपीए सरकार से त्रस्त चुनौतियों का समाधान किया है।
- यूपीए सरकार के कार्यक्रम वितरण में काफी सुधार करने के अलावा, हमारी सरकार ने भारत की विकास क्षमता को उभारने के लिए कई नीतिगत नवाचार भी किए।
- पीएम–किसान सम्मान निधि ने किसानों को सशक्त बनाया और उधारकर्ता–ऋणदाता संबंधों को नुकसान पहुंचाए बिना उनकी आय में सुधार किया।
- हमारी सरकार ने जवाबदेह राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के कार्यान्वयन के द्वारा कार्यनीतिक रूप से समस्याओं मूल कारणों का पता लगाया था।
- राजकोषीय सुधार से सरकार के व्यय निर्णय को सीमित किया गया है। वर्ष 2016 में सरकार ने लक्षित मुद्रास्फीति को 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के बैंड के अंदर रखने के लिए आरबीआई को अधिदेश दिया था। वित्त वर्ष 2014 और वित्त वर्ष 2023 के बीच औसत वार्षिक मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2004 और वित्त वर्ष 2014 के बीच 8.2 प्रतिशत की औसत मुद्रास्फीति से 5.0 प्रतिशत कम हो गई थी।
- हमारी सरकार द्वारा यूपीए सरकार से प्राप्त उच्च विदेशी भेद्यता को नियंत्रित करने के लिए अनुकूल प्रयास किए गए हैं।
- हमारी सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों को बहाल किए जाने के कारण रुपये ने वैश्विक आघातों के दौरान लचीलापन प्रदर्शित किया।
- वर्ष 2013 में फेडरल रिजर्व की घोषणा के चार महीनों के भीतर ही रुपये में डॉलर के मुकाबले 14.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी।
- इसके विपरीत टेपर 2 की घोषणा के बाद चार महीनों के भीतर 2021 में रुपये में 0.7 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई।
- हमारी सरकार ने न केवल चालू खाते को विवेकपूर्ण ढंग से प्रबंधित किया, बल्कि आसान और सुविधापूर्ण वित्त पोषण के माध्यम से अधिक स्थिर विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) को सुनिश्चित किया।
- वित्त वर्ष 2005 और वित्त वर्ष 2014 के बीच जुटाए गए 305.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल एफडीआई के विपरीत हमारी सरकार ने वित्त वर्ष 2015 और वित्त वर्ष 2023 के बीच नौ वर्षों में इस राशि का लगभग दोगुना (596.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) संग्रह किया है।
- परिणामस्वरूप, भारत का बाह्य क्षेत्र मार्च 2014 में 303 बिलियन अमेरिकी डॉलर (आयात के 7.8 महीनों के बराबर) से जनवरी 2024 में 617 बिलियन अमेरिकी डॉलर (आयात के 10.6 महीने) तक वृद्धि विदेशी मुद्रा प्रारेक्षित निधि (फॉरेक्स रिजर्व) के साथ अधिक सुरक्षित है।

लोक वित्त: खराब स्थिति से मजबूत स्थिति तक की यात्रा

- जब मोदी सरकार सत्ता में आई तो लोक वित्त अच्छी अवस्था में नहीं था। लोक वित्त को अच्छी अवस्था में लाने के लिए हमारी सरकार ने भारत की राजकोषीय प्रणाली को बदलने के लिए संवर्धित करों और व्यय परितंत्र में बहुत अधिक बदलाव किए हैं।
- पिछली परिपाटी से हटकर, सीमा से नीचे (बिलो–दी–लाइन) वित्तपोषण का अब पारदर्शी रूप से खुलासा किया जा रहा है। अब तक इस सरकार ने 2014 से पहले सब्सिडी के नकद भुगतान के बदले में तेल विपणन कंपनियों, उर्वरक कंपनियों और भारतीय खाद्य निगम को जारी की गई विशेष प्रतिभूतियों के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान की दिशा में पिछले दस वर्षों में लगभग 1.93 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।
- 2025–2027 के दौरान यह सरकार शेष बकाया देयताओं और उस पर ब्याज के लिए आगे 1.02 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी।
- केंद्र सरकार के बाजार उधार, जो यूपीए के कार्यकाल के दौरान अभूतपूर्व दरों पर बढ़े थे, को हमारी सरकार द्वारा नियंत्रित किया गया था।
- हमारी सरकार द्वारा व्यय की गुणवत्ता में किए गए सुधार हमारी राजकोषीय नीति की आधारशिला है।
- बजटीय पूंजीगत व्यय में अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाए बिना वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2024 (आरई) तक पांच गुना से अधिक वृद्धि हुई है।

पिछले दशक में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ कर–इकोसिस्टम में सुधार

- जीएसटी व्यवस्था की शुरुआत एक बेहद ही जरूरी संरचनात्मक सुधार था। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरुआत से पहले, 440 से अधिक कर की दरों व उत्पाद शुल्क का प्रावधान था और इन दरों को प्रशासित करने वाली विभिन्न एजेंसियों की अनुपालन आवश्यकताओं का मतलब था कि भारत का आंतरिक व्यापार न तो स्वतंत्र था और न ही एकीकृत था।
- सुधारों के कार्यान्वयन से उन 29 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशों को एकीकृत करना संभव हुआ था, जो अपनी अलग–अलग कर संरचनाओं के कारण अपने आप में आर्थिक क्षेत्र थे।

- वित्तीय वर्ष 2015 से वित्तीय वर्ष 2024 तक संशोधित अनुमान के लिए औसत कर–जीडीपी अनुपात लगभग 10.9 प्रतिशत है, जो 2004–14 के दौरान के दस वर्ष के 10.5 प्रतिशत के औसत से अधिक है। ऐसा कम कर दरों और कोविड–19 महामारी के दौरान दी गई व्यापक राहतों के बावजूद संभव हुआ है।
- इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि राज्य विकास में समान भागीदार है, हमारी सरकार ने सहकारी संघवाद की भावनाओं के अनुरूप 14वें और 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार किया।

दोनों व्यवस्थाओं में राज्यों को किए गए अंतरण की तुलना

(क) कर अंतरण और एफसी अनुदान के माध्यम से राज्यों को 3.8 गुना अधिक संसाधन

(ख) कर अंतरण और एफसी अनुदान के माध्यम से राज्यों को सकल घरेलू उत्पाद के एक प्रतिशत अंक के अतिरिक्त संसाधन

बदलते परिवेश के काल में केंद्र ने राज्यों का भरपूर सहयोग किया है। कोयला क्षेत्र में अक्षमताओं को दूर करने और प्रतिस्पर्धा एवं पारदर्शिता बढ़ाने हेतु हमारी सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में कई सुधार किए गए हैं।

सत्ता में आने के बाद हमारी सरकार ने देश के कोयला संसाधनों और ऊर्जा सुरक्षा के पारदर्शी आवंटन को सुनिश्चित करने हेतु कोयला खान विशेष प्रावधान (सीएमएसपी) अधिनियम 2015 को तेजी से लागू किया। किए गए कई अन्य उपायों में पहली बार कोयला ब्लॉक की नीलामी, वाणिज्यिक कोयला खनन, कोयला लिंकेज का युक्तीकरण, कोयले की ई–नीलामी के लिए एकल खिड़की आदि शामिल हैं।

दूरसंचार क्षेत्र में बेहतर प्रशासन की शुरुआत

2014 के बाद से हमारी सरकार ने दूरसंचार के बाजार में स्थितियों को ठीक करने और इस क्षेत्र में नीतिगत स्पष्टता की कमी के कारण उत्पन्न विफलताओं को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसने स्पेक्ट्रम नीलामी, व्यापार और साझाकरण के पारदर्शी तरीके लाए जिससे स्पेक्ट्रम का अधिकतम उपयोग संभव हो सका। 2022 में 5जी नीलामी के आयोजन ने अब तक के उच्चतम नीलामी मूल्य पर स्पेक्ट्रम की उच्चतम मात्रा यानी 52 गीगाहट्ज़ आवंटित करके दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के लिए समग्र स्पेक्ट्रम उपलब्धता में वृद्धि की।

इसके अलावा, टीएसपी के लिए पर्याप्त नकदी प्रवाह ने उन्हें 5जी तकनीक में पूंजी निवेश करने में सक्षम बनाया, जिससे देश में 5जी नेटवर्क की शुरुआत हुई, जिसे दुनिया में सबसे तेज 5जी शुरुआत के रूप में स्वीकार किया गया है।

एक दशक में फ़ैजाइल-फाइव से शीर्ष-पांच पर

- आर्थिक कुप्रबंधन ने विकास की संभावनाओं को अवरुद्ध कर दिया और भारत एक 'फ़ैजाइल' अर्थव्यवस्था बन गया।
- मॉर्गन स्टेनली ने भारत को 'फ्रैजाइल फाइव' के स्तर पर रखा थाकृ एक समूह जिसमें कमजोर व्यापक आर्थिक बुनियादी नींव वाली उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल थीं। इनमें अन्य बातों के साथ–साथ निम्न वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, उच्च बाहरी घाटा और सार्वजनिक वित्त की खराब स्थिति शामिल है।
- सच्चाई यह है कि अर्थव्यवस्था 2004 में 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकी, जो कि अल्पकालिक, गुणात्मक रूप से हीन स्थिति को उजागर करती है।
- 2014 में जब से हमारी सरकार ने सत्ता संभाली है, तब से भारतीय अर्थव्यवस्था में कई संरचनात्मक सुधार हुए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था के व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांत मजबूत हुए हैं।
- इन सुधारों के परिणामस्वरूप भारत लगभग एक दशक में ही 'फैजाइल फाइव' के स्तर से 'टॉप फाइव' के स्तर में आ गया, क्योंकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच अर्थव्यवस्था कहीं अधिक लचीले अवतार में बदल गई थी।
- हमारी सरकार की "राष्ट्र प्रथम" की कल्पना ने भारत के बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की गुणवत्ता को बदल दिया है, जो देश के लिए निवेश आकर्षित करने और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए निर्णायक होगा।
- उदाहरण के लिए, जब हमारी सरकार ने वित्त वर्ष 2015 में कार्यभार संभाला था, तब राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की गति 12 किमी/प्रतिदिन थी। वित्त वर्ष 2023 में निर्माण की गति 2.3 गुना से अधिक बढ़कर 28 किमी/प्रतिदिन हो गई।
- इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सर्वोपरि रक्षा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों की खरीद को यूपीए सरकार द्वारा प्राथमिकता नहीं दी गई थी। हमारी सरकार द्वारा इन पर बल दिया गया है।

कल्कि कालचक्र के परिवर्तन के प्रणेता

यूपी की धरती से, प्रभु राम और प्रभु कृष्ण की भूमि से भक्ति, भाव और आध्यात्म की एक और धारा प्रवाहित होने को लालायित है। आज पूज्य संतों की साधना और जन मानस की भावना से एक और पवित्र धाम की नींव रखी जा रही है। अभी आप संतों, आचार्यों की उपस्थिति में मुझे भव्य कल्कि धाम के शिलान्यास का सौभाग्य मिला है। मुझे विश्वास है कि कल्कि धाम भारतीय आस्था के एक और विराट केंद्र के रूप में उभरकर सामने आयेगा। मैं सभी देशवासियों को, और विश्व के सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ देता हूँ। अभी आचार्य जी कह रहे थे कि 18 साल की प्रतिक्षा के बाद आज ये अवसर आया है। वैसे भी आचार्य जी कई ऐसे अच्छे काम हैं जो कुछ लोग मेरे लिए ही छोड़कर के चले गए हैं। और आगे भी जितने अच्छे काम रह गए हैं, ना, उसके लिए बस ये संतों का, जनता जनार्दन का आशीर्वाद बना रहे, उसे भी पूरा करेंगे।

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मजयंती भी है। ये दिन इसलिए और पवित्र हो जाता है, और ज्यादा प्रेरणा दायक हो जाता है। आज हम देश में जो सांस्कृतिक पुनरोदय देख रहे हैं, आज अपनी पहचान पर गर्व और उसकी स्थापना का जो आत्मविश्वास दिख रहा है, वो प्रेरणा हमें छत्रपति शिवाजी महाराज से ही मिलती है। मैं इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री कल्किधाम का शिलान्यास

पिछले दिनों, जब प्रमोद कृष्णम् जी मुझे निमंत्रण देने के लिए आए थे। जो बातें उन्होंने बताई उसके आधार पर मैं कह रहा हूं कि आज जितना आनंद उनको हो रहा है, उससे अनेक गुना आनंद उनकी पूज्य माताजी की आत्मा जहां भी होगी, उनको होता होगा। और मां के वचन के पालन के लिए एक बेटा कैसे जीवन खपा सकता है, ये प्रमोद जी ने दिखा दिया है। प्रमोद कृष्णम् जी बता रहे थे कि कई एकड़ में फैला ये विशाल धाम कई मायनों में विशिष्ट होने वाला है। ये एक ऐसा मंदिर होगा, जैसा मुझे उन्होंने पूरा समझाया अभी, जिसमें 10 गर्भगृह होंगे, और भगवान् के सभी 10 अवतारों को विराजमान किया जाएगा। 10 अवतारों के माध्यम से हमारे शास्त्रों ने केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि अलग–अलग स्वरूपों में ईश्वरीय अवतार को प्रस्तुत किया गया है। यानी, हमने हर जीवन में ईश्वर की ही चेतना के दर्शन किए हैं। हमने ईश्वर के स्वरूप को सिंह में भी देखा, वराह में भी देखा और कच्छप में भी देखा। इन सभी स्वरूपों की एक साथ स्थापना हमारी मान्यताओं की व्यापक छवि प्रस्तुत करेगी। ये ईश्वर की कृपा है कि उन्होंने इस पवित्र यज्ञ में मुझे माध्यम बनाया है, इस शिलान्यास का अवसर दिया है। और अभी जब वो स्वागत प्रवचन कर रहे थे, तब उन्होंने कहा कि हर किसी के पास कुछ ना कुछ देने को होता है, मेरे पास कुछ नहीं है, मैं सिर्फ भावना व्यक्त कर सकता हूं। प्रमोद जी अच्छा हुआ कुछ दिया नहीं वरना जमाना ऐसा बदल गया है कि अगर आज के युग में सुदामा श्री कृष्ण को एक पोटली में चावल देते, वीडियो निकल आती, सुप्रीम कोर्ट में PIL हो जाती और जजमेंट आता कि भगवान कृष्ण को भ्रष्ट्राचार में कुछ दिया गया और भगवान कृष्ण भ्रष्ट्राचार कर रहे थे। इस वक्त में हम जो कर रहे हैं, और इससे अच्छा है कि आपने भावना प्रकट की और कुछ दिया नहीं। मैं इस शुभ कार्य में अपना मार्गदर्शन देने के लिए पधारे सभी संतों को भी नमन करता हूँ। मैं आचार्य प्रमोद कृष्णम् जी को भी बधाई देता हूँ।

आज संभल में हम जिस अवसर के साक्षी बन रहे हैं, ये भारत के सांस्कृतिक नव जागरण का एक और अद्भुत क्षण है। अभी पिछले महीने ही, 22 जनवरी को देश ने अयोध्या में 500 साल के इंतज़ार को पूरा होते देखा है। रामलला के विराजमान होने का वो अलौकिक अनुभव, वो दिव्य अनुभूति अब भी हमें भावुक कर जाती है। इसी बीच हम देश से सैकड़ों किलोमीटर दूर अरब की धरती पर, अबू धाबी में पहले विराट मंदिर के लोकार्पण के साक्षी भी बने हैं। पहले जो कल्पना से भी परे था, अब वो हकीकत बन चुका है। और अब हम यहां संभल में भव्य कल्कि धाम के शिलान्यास के गवाह बन रहे हैं।

एक के बाद एक ऐसे आध्यात्मिक अनुभव, सांस्कृतिक गौरव के ये पल हमारी पीढ़ी के जीवनकाल में इसका आना, इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। इसी कालखंड में हमने विश्वनाथ धाम के वैभव को काशी की धरती पर देखा है, निखरता हुआ देखा है। इसी कालखंड में हम काशी का कायाकल्प होते देख रहे हैं। इसी दौर में, महाकाल के महालोक की महिमा हमने देखी है। हमने सोमनाथ का विकास देखा है, केदार घाटी का पुनर्निर्माण देखा है। हम विकास भी, विरासत भी इस मंत्र को आत्मसात करते हुए चल रहे हैं। आज एक ओर हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों में हाइटेक इनफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो रहा है। आज अगर मंदिर बन रहे हैं, तो देशभर में नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं। आज विदेशों से हमारी

प्राचीन मूर्तियाँ भी वापस लाई जा रही हैं, और रिकॉर्ड संख्या में विदेशी निवेश भी आ रहा है। ये परिवर्तन, प्रमाण है साथियों, और प्रमाण इस बात का है समय का चक्र घूम चुका है। एक नया दौर आज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। ये समय है, हम उस आगमन का दिल खोलकर स्वागत करें। इसीलिए, मैंने लालकिले से देश को ये विश्वास दिलाया था— यही समय है, सही समय है।

जिस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, तब मैंने एक और बात कही थी। 22 जनवरी से अब नए कालचक्र की शुरुआत हो चुकी है। प्रभु श्री राम ने जब शासन किया तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों तक रहा। उसी तरह, रामलला के विराजमान होने से, अगले हजार वर्षों तक भारत के लिए एक नई यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। अमृतकाल में राष्ट्र निर्माण के लिए पूरी सहस्र शताब्दी का ये संकल्प केवल एक अभिलाषा भर नहीं है। ये एक ऐसा संकल्प है, जिसे हमारी संस्कृति ने हर कालखंड में जीकर दिखाया है। भगवान कल्कि के विषय में आचार्य प्रमोद कृष्णम् जी ने गहरा अध्ययन किया है। भगवान कल्कि के अवतार से जुड़े कई सारे तथ्य और, शास्त्रीय जानकारियाँ भी आचार्य प्रमोद कृष्णम् जी मुझे बता रहे थे। जैसे उन्होंने बताया कि कल्कि पुराण में लिखा है— शम्भले वस—तस्तस्य सहस्र परिवत्सरा। यानी, भगवान राम की तरह ही कल्कि का अवतार भी हजारों वर्षों की रूप रेखा तय करेगा।

हम ये कह सकते हैं कि कल्कि कालचक्र के परिवर्तन के प्रणेता भी हैं, और प्रेरणा स्रोत भी हैं। और शायद इसीलिए, कल्किधाम एक ऐसा स्थान होने जा रहा है जो उन भगवान को समर्पित है, जिनका अभी अवतार होना बाकी है। आप कल्पना करिए, हमारे शास्त्रों में सैकड़ों, हजारों साल पहले भविष्य को लेकर इस तरह की अवधारणा लिखी गई। इसके लिए तो प्रमोद कृष्णम् जी वाकई सराहना के पात्र हैं। मैं तो प्रमोद कृष्णम् जी को एक राजनैतिक व्यक्ति के रूप में दूर से जानता था, मेरा परिचय नहीं था। लेकिन अभी जब कुछ दिनों पहले मेरी उनसे पहली बार मुलाकात हुई, तो ये भी पता चला कि वो ऐसे धार्मिक—आध्यात्मिक कार्यों में कितनी मेहनत से लगे रहते हैं। कल्कि मंदिर के लिए इन्हें पिछली सरकारों से लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। कोर्ट के चक्कर भी लगाने पड़े! वो मुझे बता रहे थे कि एक समय उन्हें कहा जा रहा था कि मंदिर बनाने से शांति व्यवस्था बिगड़ जाएगी। आज हमारी सरकार में प्रमोद कृष्णम् जी निश्चिंत होकर इस काम को शुरू कर पाये हैं। मुझे भरोसा है कि, ये मंदिर इस बात का प्रमाण होगा कि हम बेहतर भविष्य को लेकर कितने सकारात्मक रहने वाले लोग हैं।

भारत पराभव से भी विजय को खींचकर के लाने वाला राष्ट्र है। हम पर सैकड़ों वर्षों तक इतने आक्रमण हुये। कोई और देश होता, कोई और समाज होता तो लगातार इतने आक्रमणों की चोट से पूरी तरह नष्ट हो गया होता। फिर भी, हम न केवल डटे रहे, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत होकर सामने आए। आज सदियों के वो बलिदान फलीभूत हो रहे हैं। जैसे कोई बीज वर्षों के अकाल में पड़ा रहा हो, लेकिन जब वर्षाकाल आता है तो वो बीज अंकुरित हो उठता है। वैसे ही, आज भारत के अमृतकाल में भारत के गौरव, भारत के उत्कर्ष और भारत के सामर्थ्य का बीज अंकुरित हो रहा है। एक के बाद एक, हर क्षेत्र में कितना कुछ नया हो रहा है। जैसे देश के संत और आचार्य नए मंदिर बनवा रहे हैं, वैसे ही मुझे ईश्वर ने राष्ट्र रूपी मंदिर के नव निर्माण का दायित्व सौंपा है। मैं दिन रात राष्ट्र रूपी मंदिर को भव्यता देने में लगा हूँ, उसके गौरव का विस्तार कर रहा हूँ। इस निष्ठा के परिणाम भी हमें उसी तेजी से मिल रहे हैं। आज पहली बार भारत उस मुकाम पर है, जहां हम अनुसरण नहीं कर रहे हैं, उदाहरण पेश कर रहे हैं। आज पहली बार भारत को टेक्नोलॉजी और डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में संभावनाओं के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। हमारी पहचान इनोवेशन हब के तौर पर हो रही है। हम पहली बार दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जैसे बड़े मुकाम पर पहुंचे हैं। हम चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव तक पहुँचने वाले पहले देश बने हैं। पहली बार भारत में वन्देभारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें चल रही हैं। पहली बार भारत में बुलेट ट्रेन चलने की तैयारी हो रही है। पहली बार हाइटेक हाइवेज, एक्सप्रेसवेज का इतना बड़ा नेटवर्क और उसकी ताकत देश के पास है। पहली बार भारत का नागरिक, चाहे वो दुनिया के किसी भी देश में हो, अपने आपको इतना गौरवान्वित महसूस करता है। देश में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का ये जो ज्वार हम देख रहे हैं, ये एक अद्भुत अनुभूति है। इसीलिए, आज हमारी शक्ति भी अनंत है, और हमारे लिए संभावनाएं भी अपार हैं।

राष्ट्र को सफल होने के लिए ऊर्जा सामूहिकता से मिलती है। हमारे वेद कहते हैं— 'सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात'। अर्थात्, निर्माण के लिए हजारों, लाखों, करोड़ों हाथ हैं। गतिमान होने के लिए हजारों, लाखों, करोड़ों पैर हैं। आप पिछले 10 वर्षों में कार्यों के विस्तार को देखिए, 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर, 11 करोड़ परिवारों को शौचालय यानी इज्जतघर, 2.5 करोड़ परिवारों को घर में बिजली, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को पानी के लिए कनेक्शन, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 10 करोड़ महिलाओं को कम कीमत पर गैस सिलिंडर, 50 करोड़ लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए आयुष्मान कार्ड, करीब 10 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, कोरोना काल में हर देशवासी को मुफ्त वैक्सीन, स्वच्छ भारत जैसा बड़ा अभियान, आज पूरी दुनिया में भारत के इन कामों की चर्चा हो रही है। इस स्केल पर काम इसलिए हो सके, क्योंकि सरकार के इन प्रयासों से देशवासियों का सामर्थ्य जुड़ गया। आज लोग सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए गरीबों की मदद कर रहे हैं। इसीलिए, देश ने 'विकसित भारत का निर्माण' और अपनी 'विरासत पर गर्व' के पंचप्राणों का आह्वान किया है।

भारत जब भी बड़े संकल्प लेता है, उसके मार्गदर्शन के लिए ईश्वरीय चेतना किसी न किसी रूप में हमारे बीच जरूर आती है। इसीलिए, गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा 'संभावामि युगे—युगे' इतना बड़ा आश्वासन दे दिया है। लेकिन, इस वचन के साथ ही तो हमें ये आदेश भी देते हैं कि—"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" अर्थात्, हमें फल की चिंता के बिना कर्तव्य भाव से कर्म करना है।

काशी भारत की शाश्वत चेतना का जाग्रत केन्द्र

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वशिष्ठ त्रिपाठी जी, काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र जी, राज्य सरकार के मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, सम्मानित विद्वतजन, के बीच काषी के सांसद नरेन्द्र मोदी ने सांसद संस्कृत प्रतियोगिता के अभ्यर्थियों को पुरस्कार वितरण किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि–

आप सब परिवार के लोगन के हमार प्रणाम! महामना के इस प्रांगण में आप सब विद्वानों और विशेषकर युवा विद्वानों के बीच आकर ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाने जैसा अनुभव हो रहा है। जो काशी कालातीत है, जो काशी समय से भी प्राचीन कही जाती है, जिसकी पहचान को हमारी आधुनिक युवा पीढ़ी इतनी ज़िम्मेदारी से सशक्त कर रही है। ये दृश्य हृदय में संतोष भी देता है, गौरव की अनुभूति भी कराता है, और ये विश्वास भी दिलाता है कि अमृतकाल में आप सभी युवा देश को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। और काशी तो सर्वविद्या की राजधानी है। आज काशी का वो सामर्थ्य, वो स्वरूप फिर से सँवर रहा है। ये पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। और अभी मुझे काशी सांसद संस्कृत प्रतियोगिता, काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता, और काशी सांसद फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देने का अवसर मिला है। मैं सभी विजेताओं को उनके परिश्रम..उनकी प्रतिभा के लिए बधाई देता हूं, उनके परिवारजनों को भी बधाई देता हूं, उनके गुरूजनों को भी बधाई देता हूं। जो युवा सफलता से कुछ कदम दूर रह गए, कुछ तो होंगे, कुछ 4 पर आकर अटके होंगे। मैं उनका भी अभिनंदन करता हूँ। आप काशी की ज्ञान परंपरा का हिस्सा बने, उसकी प्रतियोगिता में भी शामिल हुए। ये अपने आप में बहुत बड़ा गौरव है। आप में से कोई भी साथी हारा नहीं है, न ही पीछे रहा है। आप इस भागीदारी के जरिए काफी कुछ नया सीखकर कई कदम और आगे आए हैं। इसलिए, इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाला हर कोई, बधाई के पात्र हैं।

मैं इस आयोजन के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास, काशी विद्वतपरिषद और सभी विद्वानों का भी आदरपूर्वक धन्यवाद करता हूँ। आपने काशी के सांसद के रूप में मेरे विज़न को साकार करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है, अभूतपूर्व सहयोग किया है। पिछले 10 वर्षों में काशी में जो विकास के कार्य हुए हैं और काशी के बारे में संपूर्ण जानकारी पर आज यहां दो बुक भी लॉन्च की गई है। पिछले 10 वर्ष में काशी ने विकास की जो यात्रा तय की है, उसके हर पड़ाव और यहां की संस्कृति का वर्णन इन कॉफी टेबल बुक में भी किया गया है। इसके अलावा जितनी भी सांसद प्रतियोगिताएं काशी में आयोजित हुई है उन पर भी छोटी–छोटी किताबों को लॉन्च किया गया है। मैं सभी काशीवासियों को इसके लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं।

आप भी तो जानते हैं, हम सब तो निमित्त मात्र हैं। काशी में करने वाले तो केवल महादेव और उनके गण हैं। जहां महादेव क कृपा हो जाला, धरती अपने ऐसे ही समृद्ध हो जाले, इस समय महादेव तो अति आनंद में हैं, खूब प्रसन्न हैं महादेव। इसीलिए, महादेव के आशीष के साथ 10 वर्षों में काशी में चारों ओर, चहु ओर विकास का डमरू बजा है। आज एक बार फिर काशी के हमरे परिवार के लोगन के लिए करोड़ों रुपया के योजना क लोकार्पण होत हौ। शिवरात्रि और रंगभरी एकादशी से पहले, काशी में आज विकास क उत्सव मने जात हौ। अभी मंच पर आने से पहले मैं काशी सांसद फोटोग्राफी प्रतियोगिता की गैलरी देख रहा था। 10 वर्षों में विकास की गंगा ने काशी को सींचा है, काशी कितनी तेजी से बदली है, ये आप सभी ने साक्षात देखा है। मैं सही बोल रहा हूं ना, तो आप बताएं तो पता चले भई, सचमुच में जो कह रहा हूं, सही है, बदला है, संतोष है। लेकिन जो छोटे–छोटे बच्चे हैं, उन्होंने तो पहले वाली काशी देखी ही नहीं होगी, उनको तो आम बात, बढ़िया काशी दिख रही होगी। यही मेरी काशी का सामर्थ्य है, और यही काशी के लोगों का सम्मान है, यही महादेव की कृपा की ताकत है। बाबा जौन चाह

जालन, ओके के रोक पावेला? एही लिए बनारस में जब भी कुछ शुभ होला! लोग हाथ उठा के बोललन– नमः पार्वती पतये, हर–हर महादेव!

काशी केवल हमारी आस्था का तीर्थ ही नहीं है, ये भारत की शाश्वत चेतना का जाग्रत केंद्र है। एक समय था, जब भारत की समृद्धि गाथा पूरे विश्व में सुनाई जाती थी। इसके पीछे भारत की केवल आर्थिक ताकत ही नहीं थी। इसके पीछे हमारी सांस्कृतिक समृद्धि भी थी, सामाजिक और आध्यात्मिक समृद्धि भी थी। काशी जैसे हमारे तीर्थ और विश्वनाथ धाम जैसे हमारे मंदिर ही राष्ट्र की प्रगति की यज्ञशाला हुआ करती थी। यहाँ साधना भी होती थी, शास्त्रार्थ भी होते थे। यहाँ संवाद भी होता था, शोध भी होता था। यहाँ संस्कृति के स्रोत भी थे, साहित्य–संगीत की सरिताएं भी थीं। इसीलिए, आप देखिए, भारत ने जितने भी नए विचार दिये, नए विज्ञान दिये, उनका संबंध किसी न किसी सांस्कृतिक केंद्र से है। काशी का उदाहरण हमारे सामने है।

काशी शिव की भी नगरी है, ये बुद्ध के उपदेशों की भी भूमि है। काशी जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली भी है, और आदि शंकराचार्य को भी यहाँ से बोध मिला था। पूरे देश से, और दुनिया के कोने–कोने से भी ज्ञान, शोध और शांति की तलाश में लोग काशी आते हैं। हर प्रांत, हर भाषा, हर बोली, हर रिवाज इसके लोग काशी आकर बसे हैं। जिस एक स्थान पर ऐसी विविधता होती है, वहीं नए विचारों का जन्म होता है। जहां नए विचार पनपते हैं, वहीं से प्रगति की संभावनाएं पनपती हैं।

विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के अवसर पर मैंने कहा था, याद कीजिए उस समय मैंने क्या कहा था, उस समय मैंने कहा था– ”विश्वनाथ धाम भारत को एक निर्णायक दिशा देगा, भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर लेकर जाएगा“। आज ये दिख रहा है कि नहीं दिख रहा है, हो रहा है कि नहीं हो रहा है। अपने भव्य रूप में विश्वनाथ धाम, भारत को निर्णायक भविष्य की ओर ले जाने के लिए फिर से राष्ट्रीय भूमिका में लौट रहा है। विश्वनाथ धाम परिसर में आज देश भर के विद्वानों की 'विद्वत संगोष्ठियाँ' हो रही हैं। विश्वनाथ मंदिर, न्यास शास्त्रार्थ की परंपरा को भी पुनर्जीवित कर रहा है। काशी में शास्त्रीय स्वरों के साथ–साथ शास्त्रार्थ के संवाद भी गूंज रहे हैं। इससे देश भर के विद्वानों में विचारों का आदान प्रदान बढ़ेगा। इससे प्राचीन ज्ञान का संरक्षण होगा, नए विचारों का सृजन भी होगा। काशी सांसद संस्कृत प्रतियोगिता और काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। संस्कृत पढ़ने वाले हजारों युवाओं को किताबें, कपड़े, और जरूरी संसाधनों के साथ–साथ स्कॉलरशिप भी उपलब्ध कराई जा रही है। शिक्षकों को भी सहायता दी जा रही है। यही नहीं, काशी तमिल संगमम् और गंगा पुष्करुलु महोत्सव जैसे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अभियानों का भी विश्वनाथ धाम हिस्सा बना है। आदिवासी सांस्कृतिक आयोजन के जरिए आस्था के इस केंद्र से सामाजिक समावेश के संकल्प को ताकत मिल रही है। काशी के विद्वानों द्वारा, विद्वत परिषद द्वारा प्राचीन ज्ञान पर आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से नए शोध भी किए जा रहे हैं। मुझे बताया गया है कि, जल्द ही मंदिर न्यास शहर के कई स्थानों पर निःशुल्क भोजन की व्यवस्था भी शुरू करने जा रहा है। मंदिर ये सुनिश्चित करेगा कि माँ अन्नपूर्णा की नगरी में कोई भूखा नहीं रहेगा। यानी, आस्था का केंद्र किस तरह सामाजिक और राष्ट्रीय संकल्पों के लिए ऊर्जा का केंद्र बन सकता है, नई काशी नए भारत के लिए इसकी प्रेरणा बनकर उभरी है। मैं आशा करता हूँ कि, यहाँ से निकले युवा पूरे विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति के ध्वजवाहक बनेंगे। **बाबा विश्वनाथ की ई धरती, विश्व कल्याण के संकल्प के साक्षी भूमि बनी।**

हमारे ज्ञान, विज्ञान और आध्यात्म के उत्थान में जिन भाषाओं का सबसे बड़ा योगदान रहा है, संस्कृत उनमें सबसे प्रमुख है। भारत एक विचार है, संस्कृत उसकी प्रमुख अभिव्यक्ति है। भारत एक यात्रा है, संस्कृत उसके इतिहास का प्रमुख अध्याय है। भारत विविधता में एकता की भूमि है, संस्कृत उसका उद्गम है। इसीलिए, हमारे यहाँ कहा भी गया है– **”भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतम् संस्कृति–स्तथा“॥** अर्थात्, भारत की प्रतिष्ठा में संस्कृत की बड़ी भूमिका है। एक समय था जब हमारे देश में संस्कृत ही वैज्ञानिक शोध की भाषा होती थी, और शास्त्रीय बोध की भी भाषा संस्कृत होती थी। एस्ट्रॉनॉमी में सूर्यसिद्धान्त जैसे ग्रंथ हों, गणित में आर्यभटीय और लीलावती हों, मेडिकल साइन्स में चरक और सुश्रुत संहिता हों, या बृहत संहिता जैसे ग्रंथ हों, ये सब संस्कृत में ही लिखे गए थे। इसके साथ ही, साहित्य, संगीत और कलाओं की कितनी विधाएँ भी

संस्कृत भाषा से ही पैदा हुई हैं। इन्हीं विधाओं से भारत को पहचान मिली है। जिन वेदों का पाठ काशी में होता है, वही वेदपाठ, उसी संस्कृत में हमें कांची में सुनाई देना पड़ता है। ये 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के वो शाश्वत स्वर हैं, जिन्होंने हजारों वर्षों से भारत को राष्ट्र के रूप में एक बनाए रखा है।

आज काशी को विरासत और विकास के एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। परम्पराओं और आध्यात्म के इर्द–गिर्द किस तरह आधुनिकता का विस्तार होता है, आज दुनिया ये देख रही है। रामलला के अपने नए भव्य मंदिर में विराजने के बाद अब अयोध्या भी इसी तरह निखर रही है। देश में भगवान बुद्ध से जुड़े स्थानों पर भी आधुनिक इनफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। यूपी को कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लाभ मिला है। ऐसे कितने ही काम आज देश में हो रहे हैं। अगले 5 वर्षों में देश इसी आत्मविश्वास से विकास को नई रफ्तार देगा, देश सफलताओं के नए प्रतिमान गढ़ेगा। और ये मोदी की गारंटी है। और आप भी जानते हैं कि मोदी की गारंटी, यानि गारंटी पूरा होने की गारंटी। अब मैं सांसद तो हूं लेकिन हर बार कुछ न कुछ काम लेकर आता हूं, मेरे लिए भी और आपके लिए भी करोगे ना? देखिए जितनी चीजें मैंने बताई हर चीज को इतने शानदार तरीके से यहां लोगों ने, उसको उठा लिया, सब उससे जुड़ गए और एक नई चेतना नई पीढ़ी में आ गई। ये स्पर्धाएं सामान्य नहीं है जी। जो मेरा सबका प्रयास वाला लक्ष्य है ना, ये सबका प्रयास वाला एक सफल प्रयोग है। आने वाले दिनों में मैं चाहूंगा हर टूरिस्ट प्लेस पर क्या होता है, लोग पोस्ट कार्ड छापते हैं, आगे वहां की एक विशेष तस्वीर होती है और पीछे 2 लाइन लिखने की जगह होती है। मैं चाहता हूं कि जो फोटो कंपटीशन हुआ है, उसमें जो टॉप बढ़िया चित्र है उसका एक वोटिंग हो जाए काशी में, लोग वोट करें और वोटिंग में सबसे अच्छे जो 10 चित्र हैं, उसको पोस्ट कार्ड छापकर के टूरिस्टों को बेचने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। और हर वर्ष ये फोटो कंपटीशन होगी, हर वर्ष नए 10 फोटो आएंगे। लेकिन वोटिंग से होना चाहिए, काशी वालों ने वोट करना चाहिए कि इस फोटो को आगे लाओ। सारे फोटो जितने निकले हैं, उस पर एक बार ऑनलाइन कंपटीशन हो जाए, कर सकते हैं? चलिए।

दूसरा काम – जैसे फोटोग्राफी हुई कुछ लोगों ने तो मोबाइल से ही निकाल दिया होगा, कंपटीशन में भाग ले लिया होगा। अब एक हम कार्यक्रम करें कि जगह–जगह पर लोग अपनी मर्जी से बैठें और एक कागज की साइज तय हो, उस पर स्केच से ड्राइंग करें, स्केच बनाएं, और उसमें जो बेस्ट स्केचिंग हो उनके ईनाम भी दिए जाएं और बाद में जो पोस्ट कार्ड निकालेंगे उनके भी बेस्ट 10 पोस्ट कार्ड निकाले, करेंगे? क्यों आवाज दब गई हां।

तीसरा काम – देखिए काशी अब करोड़ों की तादाद में लोग आते हैं, गाइड की बहुत जरूरत होती है, लोग चाहते हैं कि भई हमें कोई समझाए, बताएं। बड़ी मेहनत करके जो यात्री आता है उस पर काशी छा जाए, उसके दिल, दिमाग से काशी ना निकले। इसके लिए एक अच्छे गाइड की जरूरत पड़ती है। और इसलिए मैंने कहा है कि उत्तम से उत्तम गाइड की कंपटीशन हो, सब लोग आए गाइड बनकर के अपना परफॉर्म करें और उसमें से जो बेस्ट गाइड होंगे, उनको ईनाम दिया जाए, उनको सर्टिफिकेट दिया जाए। भविष्य में वो गाइड के रूप में रोजी–रोटी भी कमा सकता है, एक नया क्षेत्र विकसित होगा, तो करेंगे? आप तो मना ही नहीं कर रहे हो यार, तो परीक्षा–वरीक्षा देनी है कि नहीं देनी है हे फिर आपके टीचर लोग कहेंगे कि एमपी ऐसा है कि हमारे बच्चों की पढ़ाई के बजाय और ही काम करवाता है। देखिए हमारे भीतर जितनी स्किल डेवलप हो सकती है, ये होनी चाहिए। प्रतिभा को विकसित होने के लिए हर अवसर देना चाहिए जी। परमात्मा ने हर एक को हर प्रकार की शक्ति दी है, कुछ लोग उसे संवारते हैं, कुछ लोग उसे ठंडे बक्से में डालकर के पड़ी रहने देते हैं।

काशी तो संवरने वाला है, ब्रिज भी बनेंगे, रोड़ भी बनेंगे, भवन भी बनेंगे लेकिन मुझे तो यहां के जन–जन को संवारना है, हर मन को संवारना है और एक सेवक बनकर के संवारना है, एक साथी बनकर संवारना है, उंगली पकड़कर के चलते–चलते पहुंचना है, लक्ष्य को पाना है।

प्रदेश पदाधिकारी बैठक, भाजपा मुख्यालय लखनऊ

संसदीय क्षेत्र काशी भ्रमण, वाराणसी

राज्य सभा में उ0प्र0 से निर्वाचित सदस्य सम्मान

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोडः UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2022-23
फरवरी द्वितीय 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 26–29 (द्वितीय पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।